Career Companion
A future begins here ...

नई शिक्षा नीति पर आधारित

ग्लोबल कंप्यूटर

Teacher's Manual

Class 6 to 8

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Career Companion
A future begins here ...
A Unit of Vidyalaya Prakashan
An ISO 9001 : 2008 Certified Co.
● New Delhi ● Meerut

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	ग्लोबल कंप्यूटर – 6	3
2.	ग्लोबल कंप्यूटर – 7	21
3.	ग्लोबल कंप्यूटर – 8	36

पाठ - 1 : कंप्यूटर का परिचय

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. उपर्युक्त सभी
2. मेमोरी में
3. पासवर्ड

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. सही
4. गलत

ग. रिक्त स्थान भरिये-

1. कंप्यूटर एक **स्वचलित** तथा **निर्देशों** के अनुसार कार्य करने वाला इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है।
2. कंप्यूटर **हार्डवेयर** तथा **सॉफ्टवेयर** का संयोजन है।
3. कंप्यूटर डाटा को **सूचना** में बदलता है।
4. **पासवर्ड** के प्रयोग से कंप्यूटर के कार्य को गोपनीय बनाया जा सकता है।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. कंप्यूटर एक स्वचालित तथा निर्देशों के अनुसार कार्य करने वाला इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो डाटा ग्रहण करता है तथा सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम के अनुसार किसी परिणाम के लिए डाटा को प्रोसेस, संग्रहित, अथवा प्रदर्शित करता है।
2. कंप्यूटर के द्वारा निम्न चार कार्य किए जाते हैं -
   १. इनपुट
   २. प्रोसेसिंग
   ३. आउटपुट
   ४. स्टोरेज
3. १. गतिः कंप्यूटर एक सेकंड में लाखों गणनाएँ करता है।
   २. स्वचालितः यह एक स्वचालित मशीन है जिसमे गणना के दौरान मानवीय हस्तक्षेप की संभावनाएँ नगण्य रहती है।
   ३. गोपनीयताः पासवर्ड के प्रयोग द्वारा कंप्यूटर के कार्य को गोपनीय बनाया जा सकता है।
   ४. सक्षमताः एक मशीन होने के कारण कंप्यूटर पर बाहर के वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
   ५. भंडारण क्षमताः कंप्यूटर अपनी मेमोरी में सूचनाओं का विशाल भंडार संचित कर सकता है।

4. कंप्यूटर के सभी भाग जिन्हें हम हाथ से छू सकते हैं एवं देख भी सकते हैं उसे हार्डवेयर कहते हैं जबकि एक निश्चित कार्य को संपन्न करने के लिए निर्देशों का समूह प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर प्रोग्राम कहलाता है।

5. डेटा तथ्यों और अव्यवस्थित आंकड़ों का समूह होता है। डाटा को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है–

   १. संख्यात्मक डाटा २. चिह्नात्मक डाटा

6. डेटा तथ्यों और अव्यवस्थित आकड़ों का समूह है जबकि जब डाटा को उपयोगी बनाने के लिए इसे संसाधित (व्यवस्थित) और संगठित तथा संरचि.. किया जाता है तो प्राप्त डाटा सूचना कहलाता है।

पाठ - 2 : कंप्यूटर विकास का इतिहास

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. चार्ल्स बैबेज 2. हरमन हॉलेरिथ
3. अबेकस

ख.. निम्न के पूर्ण रूप लिखों :

1. EDSAC- ELECTRONIC STORAGE AUTOMATIC CALCULATOR
2. UNIVAC- UNIVERSAL AUTOMATIC COMPUTER
3. EDVAC- ELECTRONIC VARIABLE AUTOMATIC COMPUTER
4. IBM- INTERNATIONAL BUSINESS MACHINE

ग. निम्न उपकरणों के नाम लिखकर उनके आविष्कारकों के नाम भी लिखो :

1. अबेकस - ली काई चेन
2. डिफरेंस इंजन - चार्ल्स बैबेज
3. स्लाइड रूल - विलियम अर्टेड
4. पास्कलाइन - ब्लेज पास्कल

ख.. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही 2. सही
3. गलत 4. गलत

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. अबेकस सबसे पहला एक सरल यंत्र है। अबेकस लकड़ी का

एक आयातकारी ढांचा होता है जिसके अंदर तारों का एक फ्रेम लगा होता है। क्षैतिज तारों में गोलाकार मोतियों के द्वारा गणना की जाती है। इसके दो अनुप्रयोग यह है कि यह जोड़ने व घटाने के लिए प्रयोग किया जाता है और वर्गमूल निकालने के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

2. UNIVAC की विशेषता यह है की यह इनपुट व आउटपुट की समस्याओं को अति शीघ्र हल करता है अथवा सामान्य उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाने वाला प्रथम इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर है। यह सांख्यिकी और शाब्दिक दोनों प्रकार के डाटा को संसाधित करता है। यह मैग्नेटिक टेप का प्रयोग इनपुट और आउटपुट के लिए करता है।

3. टेबुलेटिंग मशीन 1880 में हरमन हेलोरिथ द्वारा आविष्कार की गई थी। इसकी विशेषता यह है कि इसमें संख्या बढ़ाने का कार्य छेद किए गए कार्डों द्वारा किया जाता है । एक समय में एक ही कार्ड को पढ़ा जाता है। सन 1896 में होलेरिथ ने 'टेबुलेटिंग मशीन कंपनी' की स्थापना की जो पंच कार्ड यंत्र का उत्पादन करती थी और इसका प्रयोग 1890 की जनगणना में किया गया था।

पाठ - 3 : कंप्यूटर का वर्गीकरण

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. वैक्यूम ट्यूब
2. चतुर्थ पीढ़ी के कंप्यूटर में
3. माइक्रो कंप्यूटर
4. इंटीग्रेटेड सर्किट

ख.. रिक्त स्थान भरिये -

1. कंप्यूटर की प्रथम पीढ़ी की शुरुआत **ENIAC** के निर्माण से हुई।
3. ट्रांजिस्टर का प्रयोग **द्वितीय** पीढ़ी के कंप्यूटर में किया गया।
3. तृतीय पीढ़ी के कंप्यूटर में **इंटीग्रेटेड सर्किट** का प्रयोग हुआ।
4. कंप्यूटरों के विभिन्न नेटवर्कों का विकास **चतुर्थ** पीढ़ी में हुआ।
5. **इंटरनेट** कंप्यूटर का एक अंतर्राष्ट्रीय संजाल है।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. गलत
2. सही
3. सही
4. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. कार्य पद्धति के आधार पर कंप्यूटर का वर्गीकरण तीन प्रकार से किया जाता है–
   1. एनालॉग कंप्यूटर
   2. आंकिय कंप्यूटर
   3. संकर कंप्यूटर
2. तृतीय पीढ़ी के कंप्यूटर 1964 से 1975 तक रहे जबकि पाँचवी पीढ़ी के कंप्यूटर 1985 से अब तक चालू है। तृतीय पीढ़ी के कंप्यूटर में एकीकृत सर्किट का प्रयोग किया गया और यह प्रथम और द्वितीय पीढ़ी के कंप्यूटर से काफी छोटे थे। इनमें उच्च स्तरीय भाषाओं का स्तर पर प्रयोग किया गया। जबकि पाँचवी पीढ़ी के कंप्यूटर नवीन टेक्नोलॉजी पर आधारित हैं। नई पीढ़ी के कंप्यूटर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम पर बढ़ रहे हैं। यह कंप्यूटर विभिन्न आकार में उपलब्ध है जैसे डेस्कटॉप, लैपटॉप, पामटॉप आदि। संक्षेप में कहें तो यह कंप्यूटर इंटरनेट का एक अंतरराष्ट्रीय संजाल है तथा मल्टीमीडिया जैसे ध्वनि, दृश्य, चित्र और पाठ का इस पीढ़ी के कंप्यूटर में उच्च स्तर पर विकास हुआ है। इस पीढ़ी के कंप्यूटर के अनुप्रयोग हैं– फिल्म निर्माण, यातायात नियंत्रण, उद्योग, व्यापार एवं शोध आदि के क्षेत्र में।
3. आकार तथा कार्य क्षमता के आधार पर कंप्यूटर को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया गया है –
   1. सुपर कंप्यूटर
   2. मेनफ्रेम कंप्यूटर
   3. मिनी कंप्यूटर
   4. माइक्रो कंप्यूटर
4. चतुर्थ पीढ़ी के आने से कंप्यूटर के युग में एक नई क्रांति आई। इन कंप्यूटर का आकार बहुत ही छोटा हो गया और मेमोरी बहुत अधिक बढ़ गई। आकार छोटा होने से इन कंप्यूटरों का रखरखाव बहुत आसान हो गया। इसी के साथ इनकी कीमत इतनी कम हो गई कि आम जनता इन कंप्यूटर को आसानी से खरीद सकती थी।
5. पाँचवी पीढ़ी के कंप्यूटर के निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं:
   1. कंप्यूटर के विभिन्न आकार : आवश्यकतानुसार कंप्यूटर के आकार और संचालन को तैयार किया जाता है। आज विभिन्न मॉडलों – जैसे डेस्कटॉप, लैपटॉप, पामटॉप आदि में कंप्यूटर उपलब्ध हैं।

2. इंटरनेट : यह कंप्यूटर का एक अंतरराष्ट्रीय संजाल है। दुनियाभर के कंप्यूटर नेटवर्क इंटरनेट से जुड़े होते हैं और इस तरह हम कहीं से भी, घर बैठे अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा, विज्ञान, कला एवं संस्कृति आदि लगभग सभी विषयों पर विभिन्न सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

3. मल्टीमीडिया: ध्वनि, दृश्य या चित्र और पाठ के सम्मलित रूप से मल्टीमीडिया का इस पीढ़ी में विकास हुआ है।

4. नए अनुप्रयोग : कंप्यूटर की तकनीक अतिविकसित होने के कारण इसके अनुप्रयोगों तथा फिल्म निर्माण, यातायात नियंत्रण, उद्योग, व्यापार एवं शोध आदि के क्षेत्र में तरक्की हुई है।

पाठ - 4 : इनपुट डिवाइस

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. डाटा
2. कर्सर कंट्रोल कीज़
3. दायीं ओर

ख. निम्न का संक्षिप्त में विवरण दें -

1. OCR - ऑप्टिकल कैरक्टर रीडर एक इनपुट उपकरण है जो प्रकाश व्यवस्था द्वारा अक्षरों और चिन्हों को पहचानकर डाटा इनपुट करता है।

2. लाइट पेन- लाइट पेन, पेन के आकार का एक पॉइंटिंग डिवाइस है जिसका प्रयोग स्क्रीन पर लिखने या चित्र बनाने के लिए किया जाता है। आमतौर पर आप लोग इसे स्मार्टफोंस में स्टाइलस के रूप में देखते हैं।

3. बारकोड रीडर - बारकोड रीडर लाइन के नीचे लिखे गए अक्षरों को पढ़ने के लिए प्रयोग किया जाता है। बारकोड रीडर इनपुट को आउटपुट में परिवर्तित करता है। बारकोड, मशीनी भाषा में बनते हैं। बारकोड की माप इसकी चौड़ाई के अनुसार होती है और इसकी लंबाई से इसके कोड का कोई संबंध नहीं होता।

4. टच स्क्रीन : टच स्क्रीन को छूकर निर्देश दिया जाता है और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करवाया जाता है। इसका प्रयोग बैंक के ए०टी०एम० में किया जाता है और इसका सबसे अच्छा उदाहरण आपका स्मार्टफोन है।

ग. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि ये डिवाइस होते हैं जिनके द्वारा हम कंप्यूटर को निर्देश देते हैं। इनसे संदेश लेकर कंप्यूटर पर प्रोग्राम के अनुरूप काम करता है। इसके 8 उदाहरण हैं : जैसे माउस, कीबोर्ड, जॉयस्टिक, लाइटपेन, टच स्क्रीन, ट्रैकबॉल, वेबकैम, माइक्रोफोन इत्यादि।
2. OCR का अर्थ है ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर। यह एक इनपुट उपकरण है जो प्रकाश व्यवस्था द्वारा अक्षरों और चिन्हों को पहचानकर डाटा इनपुट करता है। OMR – यह इनपुट डिवाइस है जो फॉर्म पेपर पर रिक्त स्थानों के बॉक्स पर लगे पेंसिल के चिन्हों को पढ़कर कंप्यूटर में डाटा प्रवेश करती है। आजकल हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं में परिणाम इसी विधि से ज्ञात किया जाते हैं।
3. ट्रैकबॉल एक प्वाइंटिंग डिवाइस है। इसे अपसाइड डाउन माउस भी कहते हैं। यह उल्टे माउस के समान दिखाई देता है जबकि जॉयस्टिक भी एक प्वाइंटिंग डिवाइस है और यह भी कर्सर की पोजीशन को स्क्रीन पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाती है।

घ. सही अथवा गलत लिखो –

1. सही
2. सही
3. सही
4. सही
5. गलत

ङ. रिक्त स्थान भरो –

1. कीबोर्ड **टाइपराइटर** जैसा उपकरण होता है।
2. **कर्सर कंट्रोल कीज** के द्वारा कंप्यूटर के कर्सर को नियंत्रण किया जाता है।
3. डॉक्यूमेंट के अंत में जाने के लिए **CTRL + END** की का प्रयोग किया जाता है।
4. मशीन को स्वयं से शुरू करने के लिए **CTRL+ALT+DEL** कीज दबाते हैं।
5. एंटर की को **रिटर्न** की भी कहते हैं।

पाठ - 5 : इनपुट आउटपुट डिवाइस तथा भंडारण युक्तियाँ

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. कीबोर्ड 2. प्रिंटर

3. भंडारण युक्ति

ख. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. सी० आर० टी० मॉनीटर उसी सिद्धांत पर काम करता है जिस पर हमारे घर का पुराना टी०वी० । इसमें एक कैथोड रे ट्यूब होती है इसलिए इसे सी० आर० टी० मॉनिटर कहा जाता है। यह थोड़ा बड़ा होता है और इसकी स्क्रीन थोड़ी मुड़ी होती है। दूसरी ओर टी० एफ० टी० एक सीधा फ्लैट मॉनिटर होता है। यह वजन में कम होता है और जगह भी कम लेता है। यह सी० आर० टी० मॉनिटर से अपेक्षाकृत महँगा होता है।

2. डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर में रिबन का उपयोग होता है। यह भी 80 कॉलम और 132 कॉलम दो तरह की क्षमताओं में आते हैं। इसमें प्रिंटिंग का खर्चा बाकी प्रिंटर की अपेक्षा से कम होता है लेकिन प्रिंटर की क्वालिटी और स्पीड दूसरे प्रिंटर के मुकाबले कम होती है। इसमें एक बार में केवल 1 रंग का प्रिंट लिया जा सकता है इसलिए इन्हे मोनोप्रिंटर भी कहते हैं। वहीं दूसरी ओर लेजर प्रिंटर थर्मल तकनीक पर काम करते हैं। इनमें भी मोनो और कलर दो तरह के प्रिंटर आते हैं। इसकी गुणवत्ता और स्पीड अन्य प्रिंटरों से बेहतर होती है।

3. यह एक आउटपुट डिवाइस है। इसके द्वारा ग्राफिक और डिजाइन की हार्ड कॉपी को प्राप्त किया जाता है तथा उसकी आउटलाइन को सी०एन०सी० टेक्नोलॉजी माध्यम द्वारा कट किया जाता है।

5. प्राइमरी मेमोरी दो प्रकार की होती है- रैम (RAM) तथा रॉम (ROM)

   रैम (RAM) -इसका पूरा नाम रैंडम एक्सेस मैमोरी है। रैम में वर्तमान में प्रोसेस हो रहा डाटा रखा जाता है। यह एक परिवर्तनशील अथवा अस्थायी मैमोरी है। इसमें डाटा तभी तक स्टोर है, जब तक कंप्यूटर ऑन है। यदि विद्युत की आपूर्ति बंद की जाए, तो इसमें स्टोर डाटा भी नष्ट हो जाता है। इसमें डाटा को पढ़ा या लिखा जा सकता है। इसलिये इसे रीड़, राडट मैमोरी भी कहा जाता है।

   रॉम (ROM) - इसका पूरा नाम रीड ओनली मैमोरी है, जिसका अर्थ है- मात्र पढ़ने के लिए। इसमें संग्रहित डाटा स्थायी होता है। कंप्यूटर के ऑन या ऑफ होने पर रोम में

स्थित डाटा पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसी गुण के कारण यह अपरिवर्तनशील होती है। इसकी डाटा भंडारण क्षमता रैम मैमोरी से कम होती है। इसमें कंप्यूटर को प्रारंभ करने के लिए आवश्यक निर्देश संग्रहित रहते हैं।

6. इसे ऑग्जीलियरी स्मृति भी कहा जाता है। इसका आकार प्राथमिक मेमोरी से बहुत अधिक होता है। इसमें डाटा स्थाई रूप से रखा जाता है लेकिन इसे मिटाया भी जा सकता है।

7. यह एक चकोर और करीब 1 इंच मोटे डिब्बे की तरह दिखाई देती है। हार्ड डिस्क के अंदर कई डिस्क अपने लिखने और पढ़ने वाले हेड के साथ एक डिब्बे में बंद रहती हैं। इस डिब्बे को सी०पी०यू० के अंदर लगाया जाता है। इसकी संग्रहण क्षमता बहुत अधिक होती है, उदाहरण के लिए 100GB, 200GB, 400GB आदि। आजकल टेराबाइट (TB) में भी आती हैं।

8. सी०डी० प्लास्टिक की गोल, पतली एवं ठोस चादर की बनी होती है जिस पर डाटा लिखने के लिए एक विशेष सतह प्रदान की जाती है। सी०डी० पर डाटा को लिखने अथवा पढ़ने के लिए लेजर किरणों का प्रयोग किया जाता है। इसकी संग्रहण क्षमता फ्लॉपी से बहुत अधिक होती है। दूसरी ओर डी०वी०डी० दस्तावेजों का आदान-प्रदान आसानी से करा सकती है। इसकी भंडारण क्षमता 1 सी०डी० के मुकाबले 6 गुना अधिक होती है।

ग. रिक्त स्थान भरिये -

1. **मॉनिटर** डिवाइस के द्वारा हम कंप्यूटर द्वारा प्रोसेस्ड जानकारी को देखते या ग्रहण करते है।
2. सी०आर०टी० का पूर्ण रूप **कैथोड रे ट्यूब** होता है।
3. **प्रिंटर** की सहायता से हम निर्गत सामग्री को कागज पर मुद्रित कर सकते हैं।
4. **लेजरजेट प्रिंटर** थर्मल तकनीक पर काम करता है।
5. **प्रोजेक्टर** कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखाई देने वाली सूचना को बड़ी स्क्रीन पर प्रस्तुत करता है।

घ. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. गलत
4. गलत
5. सही

पाठ - 6 : एम० एस० वर्ड

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर 2. टाइटल बार
3. ग्रुप्स

ख.. रिक्त स्थान भरिये -

1. एम० एस० वर्ड **एम0 एस0 ऑफिस** का भाग है।
2. टैब **ग्रुप्स** में विभाजित होता है।
3. रिबन के तीन भाग होते हैं- **टैब्स, ग्रुप्स** तथा **कमांड बटन्स**।
4. डॉक्यूमेंट को सेव करने के लिए **CTRL+S** दबाते है।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. गलत 2. सही
3. गलत 4. सही
5. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का प्रयोग LETTER WRITING, RESUME WRITING, MAIL MERGE आदि के लिए किया जाता है। इसलिए इसे वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर भी कहा जाता है।
2. 1. टाइटल बार - यह विंडो के सबसे उपस्थित होता है यह डॉक्यूमेंट में आप वर्तमान जिस डॉक्सूमेंट में काम कर रहे हैं उसका नाम डिस्प्ले करता है।

   2. फाइल बटन- विंडो के ऊपर कॉर्नर में होता है। इस बटन पर NEW, OPEN, SAVE, SAVE AS, FIND और CLOSE जैसे कमांड के बटन होते हैं।

   3. स्टेटस बार - यह विंडो के नीचे होता है और इसमें वर्तमान पेज नंबर, सेक्शन, डॉक्यूमेंट में कुल शब्द की संख्या डिस्प्ले होती है।
3. टैब्स - यह task-oriented होते हैं और रिबन के टॉप पर स्थित होते हैं। उदाहरण के लिए होम, इन्सर्ट, पेज, लेआउट आदि।

   ग्रुप्स - प्रत्येक टैब आगे सब्टास्क में विभाजित किया गया है। हर ग्रुप के साइड में एक छोटा एरो होता है जिसे DIALOG BOX LAUNCHER कहा जाता है। इसे ग्रुप्स कहते हैं।

   कमांड बटन - यह बटन प्रत्येक ग्रुप से संबोधित होते हैं।

4. जूम स्लाइडर के लेफ्ट साइड में डॉक्यूमेंट व्यू बटन होता है। अपने डॉक्यूमेंट को प्रिंट लेआउट, फुल स्क्रीन, वेब लेआउट, आउटलाइन या ड्राफ्ट में देखने के लिए आप इन में से किसी एक पर क्लिक कर सकते हैं।

5. फाइंड करने के लिए पहले अपने पेज में एक या दो पैराग्राफ का कुछ टेक्स्ट लिख लीजिए। उसके बाद उस टेक्स्ट में से आपको क्या देखना है उसे फाइंड कीजिए। फाइंड करने के लिए फाइंड पर क्लिक कीजिए या अपने कीबोर्ड से CTRL+H दबा दीजिये।

   अब एक बॉक्स खुलेगा उसमें वह टेक्स्ट लिखिए जो आप अपनी फाइल में देखना चाहते हैं।

   अब इसे रिप्लेस करने के लिए रिप्लेस पर वह टेस्ट लिख दीजिए जिसे आप पुराने टैक्स्ट के स्थान लिखना चाहते हैं और रिप्लेस करें।

6. कोई भी टैक्स्ट अथवा पैराग्राफ लिखते समय पहले की पंक्ति में मार्जिन से छोड़ी कुछ खाली जगह को इंडेंट कहते हैं। इंडेंटिंग टेक्स्ट आपकी जानकारी को अलग करने की अनुमति देकर आपके दस्तावेज में संरचना जोड़ता है। चाहे आप एक पंक्ति या पूरे अनुच्छेद को स्थानांतरित करना चाहते हैं, आप टैब और इंडेंट सेट कर सकते हैं।

ङ निम्न विकल्पों के कार्य लिखिाए –

1. CTRL+O : पहले से क्रिएट डॉक्यूमेंट फाइल को ओपन करने के लिए यह कमांड होती है।
2. SAVE AS : यदि आप पहले से क्रिएट फाइल को दूसरे नाम से यह दूसरे फॉर्मेट में सेव करना चाहते हैं तो SAVE AS का उपयोग करें।
3. CTRL+N : कमांड का उपयोग एक ब्लैंक डॉक्यूमेंट क्रिएट करने के लिए होता है।
4. CTRL+P : डॉक्यूमेंट को प्रिंट करने के लिए एक कमांड का उपयोग किया जाता है।
5. CTRL+SHIFT+C: यह कमांड फॉर्मेट कॉपी करने के लिए उपयोग होती है।
6. CTRL+SHIFT+V: यह कमांड कॉपी किए हुए फॉर्मेट को पेस्ट करने के लिए होती है।
7. CTRL+X: यह कमांड कट ऑप्शन सेलेक्ट करने के लिए होती है।

8. CTRL + U: इस कमांड से आप टेक्स्ट को अंडरलाइन कर सकते हैं।

च. अंतर लिखिए -

यह अभ्यास क्लास में अपने अध्यापक सहित करें

पाठ - 7 : वर्ड में टेबिल तथा चार्ट्स

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. दोनों
2. इन्सर्ट
3. टेबल प्रॉपर्टीज पर
4. सोर्स डाटा

ख.. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. वर्ड में टेबल तथा चार्ट बनाने से डॉक्यूमेंट बहुत ही मनमोहक तरीके से प्रदर्शित किया जा सकता है जिसको मैनेज करना और समझना बहुत ही आसान प्रक्रिया है।
2. वर्ड में क्लिप आर्ट की बहुत खास उपयोगिता है। इसके द्वारा कोई भी डॉक्यूमेंट बहुत ही सरलता से समझा व समझाया जा सकता है। जब वर्ड बनाया गया था तो इसमें कुछ चित्र पहले से ही डाल दिए थे। वह चित्र यूनिवर्सल चित्र है। उन्हें हर तरह के व्यापार तथा उद्योगों में इस्तेमाल किया जाता है।
3. इनके द्वारा साइंस में बने लाइफ साइकिल बना सकते हैं या गणितीय सवाल तैयार कर सकते हैं।
4. टेबल पंक्तियों और स्तम्भों का एक समूह है। जहां से पंक्ति तथा स्तम्भ एक साथ मिलते हैं, उस एक बॉक्स को सेल कहते हैं।
5. टेबल को प्रस्तुतीकरण के लिए उसे सुंदर करना ही फॉर्मेटिंग कहलाता है।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. सही
4. सही

घ. रिक्त स्थान भरिये -

1. टेबिल पंक्तियों तथा स्तम्भों का एक समूह होता है।
2. टेबिल में डाटा संगठित रहता है।
3. हम क्विक टेबल की सहायता से कैलेंडर तैयार करते हैं।

4. टेबल के अंदर रंग रूप में बदलाव करने के लिए ड्रॉ टेबिल विकल्प का चयन करते हैं।

पाठ - 8 : वर्ड में मेल मर्ज

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. मेल
2. मुख्य डॉक्यूमेंट

ख. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. मेल मर्ज एक प्रकार की पत्र भेजने की क्रिया होती है। इसमें आप व्यक्ति का नाम, पता इत्यादि लिखकर उसे एक पत्र भेज सकते हैं।
2. रेसिपिएंट लिस्ट वह सूचना होती है जो सभी प्राप्तकर्ता के लिए विभिन्न विभिन्न होती है।
3. मेल मर्ज के निम्नलिखित 3 मुख्य चरण है:
   1. मुख्य डॉक्यूमेंट बनाना
   2. डाटा सोर्स बनाना
   3. मुख्य डॉक्यूमेंट और डाटा सोर्स को मर्ज करना।
4. लैब प्रैक्टिशनर के मार्गदर्शन में यह गतिविधि स्वयं करें।

ग. परिभाषित कीजिए -

1. मुख्य डॉक्यूमेंट : मुख्य डॉक्यूमेंट वह सूचना होती है जो आपको सबको भेजनी है। यह बदली नहीं जा सकती है।
2. डाटा सोर्स: डाटा सोर्स वह सूचना होती है जो सभी प्राप्तकर्ता के लिए विभिन्न विभिन्न होती है।
3. रिसिपिएंट लिस्ट: डाटा सोर्स को ही रिसिपिएंट लिस्ट कहते हैं।

पाठ - 9 : नेटवर्क

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. दोनों
2. WAN का
3. MAN

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. सही
4. सही

ग. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

1. कंप्यूटर नेटवर्क एक **डाटा प्रासेसिंग** संरचना व्यवस्था है।
2. IBM ने सर्वप्रथम एक नेटवर्क **SNA** का निर्माण किया था।
3. नेटवर्क में दो कंप्यूटर आपस में डाटा संचारित करने के लिए एक जैसे प्रोटोकॉल का पालन करते हैं।
4. व्यक्तिगत नेटवर्क को LAN कहते हैं।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. कंप्यूटर, सरवर, मेनफ्रेम, नेटवर्क, डिवाइस एक दूसरे से जुड़े हुए अन्य उपकरणों का एक संग्रह जो आपस में डाटा साझा करने की अनुमति प्रदान करता है, नेटवर्क कहलाता है।
2. कंप्यूटर नेटवर्क की सहायता से सूचना एवं जानकारियों का आदान प्रदान किया जा सकता है।

   कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से जानकारियों का वितरण बिना किसी विलंब के अति शीघ्र एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर पर हो सकता है।

   कंप्यूटर नेटवर्क के प्रयोग से समय के साथ-साथ धन की भी बचत होती है।
3. प्रोटोकॉल कुछ ऐसे नियमों के समूह को कहा जाता है, जो यह निर्धारित करते हैं कि एक नेटवर्क पर स्थित कंप्यूटर किस प्रकार संपर्क स्थापित करेंगे और डेटा का आदान-प्रदान करेंगे।
4. कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से प्राप्त किया गया डाटा मानवीय तरीके से प्राप्त किए गए डाटा से अधिक सुरक्षित होता है तथा नेटवर्क डाटा संचरण में किसी भी प्रकार का मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहता है। डाटा फाइल के खोने चोरी होने, या उसमें किसी प्रकार के परिवर्तन करने की संभावना नहीं रहती है।
5. LAN, WAN तथा MAN में निम्नलिखित अंतर हैं-

   1. LAN : एक ऐसा नेटवर्क है जिसका प्रयोग दो या दो से अधिक कंप्यूटर को जोड़ने के लिए किया जाता है। लोकल एरिया नेटवर्क स्थानीय स्तर पर काम करने वाला नेटवर्क है।
   2. WAN : यह सबसे बड़ा नेटवर्क होता है। यह नेटवर्क ना केवल एक बिल्डिंग, ना केवल एक शहर तक सीमित रहता है बल्कि यह पूरे विश्व को जोड़ने का कार्य करता है। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण इंटरनेट है।
   3. MAN : यह एक ऐसा उच्च गति वाला नेटवर्क है जो आवाज, डाटा और इमेज को 200 मेगाबाइट प्रति सेकंड या

इससे अधिक गति से डेटा को 75 किलोमीटर की दूरी तक ले जा सकता है। इस नेटवर्क के द्वारा एक शहर को दूसरे शहर से जोड़ा जा सकता है।

पाठ - 10 : एम० एस० एक्सेल

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर
2. 256
3. क्विक एक्सेस टूलबार
4. NAME BOX

ख. परिभाषित कीजिए -

1. सेल: रो और कॉलम के मिलने से सेल बनता है। सेल में डाटा को लिखा जाता है। सेल में 255 अक्षर तक लिखे जा सकते हैं।
2. वर्कबुक: यह एक एक्सेल फाइल होती है जिसके अंदर कई वर्कशीट होती हैं। वर्क बुक के अंदर 256 वर्कशीट होती है। इसमें डिफॉल्ट रूप से 3 वर्कशीट होती है।
3. वर्कशीट : वर्कशीट बुक के पेज की तरह होती है जिसमें हम डाटा को स्टोर कर सकते हैं।

ग. रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए -

1. एम० एस० एक्सेल की एक्सटेंशन **.xls** से होती है।
2. फार्मूला बार में टाइप किये गए फॉर्मूलों का परिणाम **सेल** में दिखता है।
3. नई वर्कशीट का नाम डिफॉल्ट रूप में **sheet** 1 रहता है।
4. वर्कशीट का नाम बदलने के लिए **rename** विकल्प पर क्लिक करें।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. एक्सेल माइक्रोसॉफ्ट के द्वारा निर्मित एक स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर है। इसके द्वारा हम डाटा को सेल के रूप में संचारित कर सकते हैं। इससे सूचना को मैंटेन और प्रयोग किया जा सकता है।
2. टैब: यह task-oriented होते हैं।

   ग्रुप: प्रत्येक टैब को आगे सब टास्क में डिवाइड किया गया है जिसे ग्रुप कहते हैं।

   कमांड बटन: यह बटन प्रत्येक ग्रुप से रिलेटिड होते हैं।
3. चरण एक: एम० एस० एक्सेल ओपन कीजिये।

चरण दो: एम० एस० एक्सेल खोलने के बाद ऑफिस बटन पर क्लिक करें।

चरण तीन: ऑफिस बटन पर New विकल्प चुनिए अथवा Ctrl+n दबाइये।

चरण चार: ctrl+n दबाने पर आपके सामने न्यू वर्क बुक डायलॉग बॉक्स कर आएगा। वहाँ से आप टेंपलेट के नीचे ब्लैंक एंड रीसेंट पर क्लिक करें। फिर ब्लैंक वर्कबुक पर क्लिक करने के बाद Create बटन पर क्लिक करें। नई वर्कबुक खुल जाएगी।

4. चरण एक: जिस वर्कशीट को आप Copy करना चाहते हैं उस पर राइट क्लिक करें और Move and copy विकल्प पर क्लिक करें।

चरण दो: मूव और कॉपी डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होगा।

चरण तीन: Create a copy विकल्प पर क्लिक करें फिर OK बटन पर क्लिक करें।

चरण चार: वर्कशीट कॉपी हो जाएगी।

ङ. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही 2. सही
3. गलत 4. सही

पाठ - 11 : कंप्यूटर वायरस क्या है?

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. दोनों 2. वायरस रोकता है

ख.. सही अथवा गलत लिखो-

1. गलत 2. गलत
3. सही 4. सही

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिये -

1. वायरस अधिकतर फाइल्स और बूट प्रोग्रामों को प्रभावित करता है।
2. वायरस का पता लगाकर उसे नष्ट करने के लिए एंटीवायरस प्रयोग किए जाते हैं।
3. पहला वायरस प्रोग्राम सन 1983 ई. में फ्रेड जोहन ने लिखा था।

4. वायरस एक प्रोग्राम है।

घ. सही मिलान कीजिये –

वायरस – प्रोग्राम नष्ट कर देता है

एंटीवायरस – NORTON

आई० लव० यू० – वायरस

वायरसरोधी – वायरस नष्ट कर देता है

ङ निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. वायरस का पूरा नाम VITAL INFORMATION RESOURCES UNDER SEIGE है।
2. वायरस पांच प्रकार के होते हैं :
   1. बूट सेक्टर वायरस
   2. मैक्रो वायरस
   3. लिंक वायरस
   4. परजीवी वायरस
   5. मल्टीपार्टी वायरस
3. वायरस कंप्यूटर में छोटे-छोटे प्रोग्राम होते हैं जो कंप्यूटर में प्रवेश करके कंप्यूटर की कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हैं।
4. दो एंटीवायरस हैं :
   1. QUICK HEAL
   2. NORTON/K7 TOTAL SECURITY
5. तीन वायरस हैं :
   1. TROJAN HORSE
   2. ILOVEYOU
   3. CODERED
5. वायरस से बचाव के उपाय –
   1. सभी महत्वपूर्ण डिस्क का लिखावट से बचाव रखें, जिससे वायरस की प्रति डिस्क में नहीं आएगी।
   2. सदैव प्रोग्राम की मूल प्रति अधिकार प्राप्त विक्रेता से ही खरीदें।
   3. वायरस का पता लगाने के लिए अपने कंप्यूटर में एंटीवायरस डालें और उसका नियमित प्रयोग करें।
   4. अन्य व्यक्तियों को अपने कंप्यूटर में डिस्क लगाने की अनुमति ना दें।
   5. वायरस रोधी प्रोग्रामों को हमेशा अपडेट करते रहें।

पाठ - 12 : इंटरनेट

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. 1969 में 2. दोनों

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. वेब पेज के निर्माण के लिए एच० टी० एम० एल० प्रोग्रामिंग भाषा का प्रयोग किया जाता है।
2. इंटरनेट एक नेटवर्क है।
3. क्लाइंट का अर्थ है सेवाएँ प्राप्त करने वाला।
4. दो बड़े नेटवर्क एक दूसरे से जिस पॉइंट से जुड़े रहते हैं राऊटर कहलाता है।

ग. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर के द्वारा इंटरनेट पर उपस्थित किसी वेबपेज या वेबसाइट का पता प्रदर्शित किया जाता है। इसके 3 भाग है: प्रोटोकॉल, वेब सर्वर का नाम और फाइल का नाम।

   प्रोटोकॉल: प्रोटोकॉल ऐसे नियमों एवं विधियों का समूह है जो निर्धारित करते हैं कि कंप्यूटर नेटवर्क के किन्ही दो कंप्यूटरों के मध्य डाटा संचरण प्रक्रिया कैसे संपन्न होगी।

   वेब सर्वर का नाम: वेब सर्वर का नाम यह बताता है कि वेब ब्राउजर के किस सर्वर को एक्सेस करना है।

   फाइल का नाम : यह सर्वर नाम से संग्रहित फाइल का नाम या मार्ग बताता है जिसे एक्सेस करके क्लाइंट कंप्यूटर तक लाना होता है।

2. इंटरनेट विभिन्न प्रकार के अनेक नेटवर्कों का ऐसा समूह है जिसमें सभी नेटवर्क किसी ना किसी संचार माध्यम से आपस में इस प्रकार जुड़े रहते हैं की एक नेटवर्क का कंप्यूटर दूसरे नेटवर्क के कंप्यूटर से संपर्क स्थापित कर सकता है। वह डाटा का आदान प्रदान कर सकता है।

   इसके कई उपयोग हैं जैसे घर बैठे मनोरंजन, क्रीड़ा, विज्ञान, संगीत, पर्यटन, साहित्य, फिल्में, शेयर बाजार एवं चिकित्सा आदि की जानकारी।

3. वेब व्यवस्था में डाटा अनेक सरवरों पर वितरित रहता है। यह वेब सर्वर कहलाते हैं। प्रत्येक वेब सर्वर का एक आई०पी० एड्रेस तथा नाम होता है।
4. यह एक कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा है। इसकी सहायता से वेबपेज का निर्माण किया जाता है। इसके द्वारा पेज पर डाटा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाता है।

घ. निम्नलिखित का पूरा नाम लिखिए –

1. आई० एस० पी० : इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर
2. एच० टी० एम० एल० : हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज
3. यू० आर० एल० : यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर
4. डब्ल्यू० डब्ल्यू० डब्ल्यू० : वर्ल्ड वाइड वेब

ङ निम्नलिखित में अंतर बताइये –

स्वयं प्रयत्न करें।

पाठ - 1 : कंप्यूटर सॉफ्टवेयर

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. सिस्टम
2. एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर
3. एंटीवायरस
4. ऑपरेटिंग सिस्टम

ख. रिक्त स्थान भरिये -

1. कंप्यूटर सिस्टम की इकाइयाँ सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर हैं।
2. सॉफ्टवेयर के निर्देशों के अनुसार ही हार्डवेयर कार्य करता है।
3. ऑपरेटिंग सिस्टम, डिवाइस ड्राइवर तथा सिस्टम यूटिलिटी सिस्टम मैनेजमेंट प्रोग्राम के प्रमुख उदाहरण हैं।
4. प्रोग्राम निर्देशों का ऐसा समूह होता है जो कंप्यूटर का परिचय उससे जुड़ने वाले हार्डवेयर से कराता है।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. गलत
4. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. कंप्यूटर में सैकड़ों की संख्या में प्रोग्राम होते हैं, जो अलग-अलग कार्य के लिए लिखें या बनाए जाते हैं। इन सभी प्रोग्रामों के समूह को सम्मिलित रूप से सॉफ्टवेयर कहा जाता है।
2. सिस्टम सॉफ्टवेयर कंप्यूटर के आंतरिक कार्यों का नियंत्रण करता है। इसके दो प्रकार हैं- सिस्टम मैनेजमेंट प्रोग्राम और डिस्क यूटिलिटी। दूसरे शब्दों में जो प्रोग्राम कंप्यूटर को चलाने, उसको नियंत्रित करने, उसके विभिन्न भागों की देखभाल करने तथा उसकी सभी क्षमताओं का अच्छे से उपयोग करने के लिए लिखे जाते हैं, उनको सम्मिलित रूप से सिस्टम सॉफ्टवेयर कहा जाता है।
3. ऑपरेटिंग सिस्टम कुछ विशेष प्रोग्रामों का एक ऐसा व्यवस्थित समूह है जो किसी कंप्यूटर के संपूर्ण क्रियाकलापों को नियंत्रित रखता है।

   ऑपरेटिंग सिस्टम के कुछ कार्य हैं जैसे- कंप्यूटर तथा उसके उपयोगकर्ता के बीच संवाद स्थापित करना, कंप्यूटर के सभी उपकरणों को नियंत्रण में रखना तथा उनसे काम लेना।
4. टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो तथा एनिमेशन आदि के संयोजन को 'मल्टीमीडिया' कहते हैं।

5. सिस्टम सॉफ्टवेयर वे प्रोग्राम होते हैं जो सिस्टम का प्रबंधन करने में काम आते हैं। इन प्रोग्राम का प्रमुख कार्य इनपुट-आउटपुट तथा मेमोरी युक्तियों और प्रोसेसर के विभिन्न कार्यों का प्रबंधन करना है जबकि एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर उन प्रोग्रामों को कहा जाता है जो हमारा वास्तविक कार्य कराने के लिए लिखे जाते हैं जैसे कार्यालय के कर्मचारियों के वेतन की गणना करना, सभी लेनदेन तथा खाते का हिसाब-किताब रखना, स्टॉक की स्थिति का विवरण देना आदि।

ङ. नाम लिखिए -

1. उत्तर : डिस्क कम्प्रेशन, डिस्क फ्रेगमेंटर, बैकअप यूटिलिटी, डिस्क क्लीनर्स आदि।
2. उत्तर : वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर, स्प्रेडशीट, डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, ग्राफिक सॉफ्टवेयर आदि।
3. उत्तर : पेरोल मैनेजमेंट सिस्टम, होटल मैनेजमेंट सिस्टम, रिजर्वेशन सिस्टम, रिपोर्ट कार्ड जनरेटर आदि।

पाठ - 2 : प्रोग्रामिंग भाषाएँ

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. प्रोग्रामिंग भाषाएँ
2. बाइनरी
3. Java

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. गलत
4. सही

ग. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. कंप्यूटर एक मशीन है तथा हमारी सामान्य बोलचाल की भाषा में लिखे प्रोग्रामों को नहीं समझ सकती, इसलिए कंप्यूटर के लिए विशेष प्रकार की भाषाओं में प्रोग्राम लिखे जाते हैं इन भाषाओं को प्रोग्रामिंग भाषा कहते हैं।

   मशीनी भाषा केवल बाइनरी अंकों 0 या 1 से बनी होती है जबकि असेंबली भाषाएँ 0 और 1 की बजाए अंग्रेजी के अक्षरों और कुछ गिने-चुने शब्दों का कोड के रूप में प्रयोग की गयी भाषा होती है।

2. C को मध्य-स्तरीय भाषा माना जाता है क्योंकि यह निम्न स्तरीय और उच्च-स्तरीय दोनों भाषाओं की सुविधा का समर्थन करती है। सी लैंग्वेज प्रोग्राम असेंबली कोड में परिवर्तित हो

जाता है, यह पॉइंटर अंकगणित (निम्न स्तर) का समर्थन करता है, लेकिन यह मशीन स्वतंत्र (उच्च-स्तर की एक विशेषता) है।

3. जब वास्तविक भाषा में लिखे प्रोग्राम को मशीन भाषा में अनुवादित किया जाता है तो इस प्रकार प्राप्त होने वाले आउटपुट को ऑब्जेक्ट प्रोग्राम या ऑब्जेक्ट फाइल कहा जाता है। जिसके बाद लिंकर (Linker) नामक प्रोग्राम सभी ऑब्जेक्ट को मिलाकर एक वास्तविक एग्जीक्यूटेबल फाइल बना देता है।

4. लोडर एक प्रकार का सिस्टम सॉफ्टवेयर है जो किसी एग्जीक्यूटेबल प्रोग्राम को मेन मेमोरी में लोड करने का कार्य करता है। यह एक निर्देशों की श्रंखला होती है जो प्रोग्राम को हार्ड डिस्क या फ्लॉपी से मेमोरी में भेजती है।

5. कम्पाइलर ऐसा प्रोग्राम है जो किसी प्रोग्रामर द्वारा उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा में लिखे गए सोर्स प्रोग्राम का अनुवाद मशीनी भाषा में करता है जबकि इंटरप्रेटर एक प्रोग्राम द्वारा उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा में लिखे गए सोर्स प्रोग्राम का अनुवाद मशीनी भाषा में करता है परंतु यह एक बार में प्रोग्राम के केवल एक कथन को मशीन भाषा में अनुवादित करता है और उसका पालन करता है।

घ. निम्न के पूर्ण रूप लिखो -

1. COBOL : COMMON BUSINESS ORIENTED LANGUAGE
2. FORTRAN : FORMULA TRANSLATION
3. ALGOL : ALGORITHM LANGUAGE
4. LISP : LIST PROCESSING
5. BASIC ; BEGINNERS ALL PURPOSE SYMBOLIC INSTRUCTION CODE

पाठ - 3 : डाटा निरूपण तथा संख्या पद्धति

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. चार
२. दो
3. दस
4. BCD

ख.. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. सही
4. सही
5. गलत

ग. रिक्त स्थान भरिये -

1. बाइनरी भाषा 0 तथा 1 से मिलकर बनती है।
2. दशमलव संख्या पद्धति में 10 अंक तथा 6 वर्णों का प्रयोग किया जाता है।
3. दशमलव संख्या 14वा हेक्साडेसिमल रूप वर्ण 20 होता है।
4. संख्या 9 का बाइनरी निरूपण 1001 होता है।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. उपयोगकर्ता कंप्यूटर को जो भी डाटा या निर्देश इनपुट के रूप में देता है, या कंप्यूटर से जो भी आउटपुट प्राप्त करता है, वह अक्सर संख्या, संकेत, ध्वनि य वीडियो के रूप में होता है। इन सभी डाटा निर्देशों को पहले बाइनरी भाषा में बदलना पड़ता है। अर्थात डाटा को 0 और 1 के रूप में प्रस्तुत करना पड़ता है। इस प्रक्रिया को डाटा निरूपण कहते हैं।
2. एक संख्या प्रणाली को अंकों या अन्य प्रतीकों द्वारा एक सुसंगत तरीके से उपयोग करके संख्याओं के प्रतिनिधित्व के रूप में परिभाषित किया गया है। किसी संख्या में किसी भी अंक का मान एक अंक, संख्या में उसकी स्थिति और संख्या प्रणाली के आधार द्वारा निर्धारित किया जा सकता है।
3. भागफल 0 होने तक (48) 10 को क्रमिक रूप से 2 से विभाजित करें :

   48/2 = 24, शेष 0

   24/2 = 12, शेषफल 0

   12/2 = 6, शेषफल 0

   6/2 = 3, शेष 0

   3/2 = 1, शेष 1

   1/2 = 0, शेष 1

   110000 के रूप में नीचे (MSB) से ऊपर (LSB) तक पढ़ें। तो, 110000 दशमलव संख्या 48 का बाइनरी समतुल्य है।

   किताब के पेंज 21 पर देखें।
4. संकेत मान अंकों के मान स्थानीय मान बाइनरी संख्या के (दाईं से बाईं दिशा में) अंकों का मान

   $2^0 = 1$ $1 \times 1 = 1$

   $2^1 = 2$ $0 \times 2 = 0$

   $2^2 = 4$ $1 \times 4 = 4$

$2^3 = 6$ $1 \times 8 = 8$

$2^4 = 16$ $1 \times 16 = 0$

$2^5 = 32$ $0 \times 32 = 0$

$2^6 = 64$ $1 \times 64 = 64$

77

ङ निम्न के पूर्ण रूप लिखिए -

1. BCD : BINARY CODED DECIMAL
2. MSB : MOST SIGNIFICANT BIT
3. ASCII : AMERICAN STANDARD CODE FOR INFORMATION INTERCHANGE
4. EBCDIC : EXTENDED BINARY&CODED DECIMAL INTERCHANGE CODE

पाठ - 4 : माइक्रोसॉफ्ट विंडोज

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. बिल गेट्स
2. WINDOWS 98
3. Windows vista
4. कर्सर

ख.. रिक्त स्थान भरिए -

1. माइक्रोसॉफ्ट विंडोज का पूरा नाम माइक्रोसॉफ्ट - वाइड इंटरएक्टिव नेटवर्क डेवलपमेंट ऑफिस वर्क सॉल्यूशन है।
2. GUI का पूर्ण रूप है- ग्राफिकल यूजर इंटरफेस।
3. विंडोज 8 में टच स्क्रीन की सुविधा भी है।
4. कंप्यूटर को पुनः आरंभ करने के लिए CTRL+ALT+DEL की का प्रयोग किया जाता है।

ग. सही अथवा गलत लिखिए -

1. सही
2. सही
3. गलत
4. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. विंडोज एनटी एक उच्च स्तरीय भाषा पर आधारित है। इसके अतिरिक्त यह डॉस, विंडोज 3 तथा Win 32 के एप्लीकेशन करने में सक्षम है। यह एक 32 बिट विंडोज एप्लीकेशन है। यह प्रिमिटिव मल्टीमीडिया का प्रयोग करती है । और यह उच्च स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करती है।
2. विंडोज 7 की निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

1. इसमें बराबर बराबर दो विंडोज ऐरो- स्नैप फीचर की सहायता से देख सकते हैं।

2. यू०एस०बी० डिवाइसों को शीघ्र पहचान हेतु डिवाइस स्टेटस।

3. होम ग्रुप के माध्यम से नेटवर्किंग में सुधार।

4. उन्नत स्टार्टअप, स्लीप और रिज्यूम प्रदर्शन। आदि

3. टास्कबार डेक्सटॉप के नीचे पतली पट्टी होती है, जिसके बाएँ ओर पर स्टार्ट बटन तथा दाई और पर घड़ी रहती है। टास्कबार पर घड़ी की जगह कुछ और छोटे-छोटे आइकन रहते हैं जिन्हें क्विक लांच कहते हैं। टास्कबार पर दाई ओर को नोटिफिकेशन एरिया भी कहते हैं। यह एरिया कई प्रोग्राम के आइकन जैसे कंप्यूटर सेटिंग, पेनड्राइव, साउंड आदि के आइकन भी दर्शाता है। जब भी उपयोगकर्ता कोई विंडो या प्रोग्राम खोलता है तो उस विंडो या प्रोग्राम का एक बटन टास्कबार के मध्यम भाग पर आ जाता है।

4. विंडोज के अंतर्गत बहुत उपयोगी प्रोग्राम हैं- जैसे नोटपैड, वर्डपैड, केलकुलेटर, मीडिया प्लेयर, गेम और पेंट।

कैलकुलेटर : एक प्रोग्राम है जिसके द्वारा साधारण तथा वैज्ञानिक गणना की जाती है। इसे निम्नलिखित तरीके से खोला जा सकता है:

क्लिक START - PROGRAMS - ACCESSORIES - CALCULATOR

नोटपैड : यह एक साधारण टेक्स्ट एडिटर है। इसमें केवल टेक्स्ट लिखा जाता है। नोटपैड फाइल की एक्सटेंशन .TXT होती है। इसे निम्नलिखित तरीके से खोला जाता है:

क्लिक START - PROGRAMS - ACCESSORIES - NOTEPAD

ङ परिभाषित कीजिए -

1. डेस्कटॉप : जब कंप्यूटर सिस्टम में बूटिंग की प्रक्रिया संपन्न हो जाती है तब जो स्क्रीन हमारे सामने दिखती है डेस्कटॉप कहलाती है।

2. कर्सर: कर्सर कंप्यूटर स्क्रीन पर चलने योग्य संकेतक है जो उस कमांड की पहचान करता है जो उपयोगकर्ता के इनपुट से प्रभावित होगा।

3. आइकन: आइकन छोटा सा ग्राफिक फोटो है जो किसी भी प्रोग्राम के क्रियान्वयन का प्रतिनिधित्व करता है। जब हम लोग

आइकन पर क्लिक करते हैं तो इससे संबंधित प्रोग्राम क्रियांवित हो जाता है।

4. वॉलपेपर: डेस्कटॉप की पृष्ठभूमि को वॉलपेपर कहते हैं।
5. जिप फाइल : इसका पूर्ण रूप जोन इंफॉर्मेशन प्रोटोकॉल है। यह एक एप्लीकेशन है जो फाइलों को कंप्रेस करने की अनुमति देता है।

पाठ - 5 : माइक्रोसॉफ्ट विंडोज में कार्य करना

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. कंप्यूटर
2. वॉलपेपर
3. प्रिंटर
4. आकृति

ख. रिक्त स्थान भरिए -

1. विंडोज 8 विंडोज के अन्य रूपों से बेहतर है।
2. कंप्यूटर पर पॉइंटर की आकृति कंट्रोल पैनल में मौजूद माउस आइकन द्वारा बदलते हैं।
3. कंट्रोल पैनल का उपयोग कंप्यूटर की सेटिंग बदलने में होता है।
4. कंप्यूटर में वॉलपेपर बदलने के लिए डेस्कटॉप टैब का प्रयोग करें।
5. ऑपरेटिंग सिस्टम कंप्यूटर और उसके उपयोगकर्ता के बीच एक माध्यम का कार्य करता है।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. गलत
2. गलत
3. गलत
4. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. निम्न-स्तरीय सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर के बुनियादी कार्यों का समर्थन करता है, जैसे शेड्यूलिंग कार्य और बाह्य उपकरणों को नियंत्रित करना होता है ऑपरेटिंग सिस्टम कहलाता है।
2. कंट्रोल पैनल का उपयोग कंप्यूटर की सेटिंग बदलने के लिए किया जाता है। इनमें अनेक आइकॉन होते हैं। प्रत्येक आइकन का प्रयोग अलग-अलग हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सेटिंग बदलने के लिए किया जाता है।
3. आप कंप्यूटर पर जब काम नहीं करते तब कंप्यूटर की स्क्रीन पर स्क्रीन सेवर चलता रहता है। स्क्रीन सेवर टैब पर क्लिक करने से आप अपने कंप्यूटर में उपलब्ध सभी स्क्रीन सेवर को

स्क्रीन पर देख सकते हैं। अपनी पसंद से स्क्रीन सेवर को चुन सकते हैं।

4. डेट एंड टाइम के आइकन पर क्लिक करते ही डेट और टाइम प्रॉपर्टीज का डायलॉग बॉक्स खुल जाता है। उसके द्वारा तारीख समय और टाइम जोन की सेटिंग बदली जा सकती है। इस विंडो में टैब होते हैं, डेट और टाइम, जोन टैब और इंटरनेट टाइम टैब । समय, तारीख आदि बदलने के लिए ऊपर और नीचे वाले ऐरो से उसे सेट कीजिए फिर OK पर क्लिक कीजिए।

5. कंट्रोल पैनल के कीबोर्ड आइकन द्वारा आप कीबोर्ड की गति और हार्डवेयर सेटिंग बदल सकते हैं। कीबोर्ड की कर्सर क्लिक करने की गति और शब्दों को दोहराने की गति भी इससे बदली जा सकती है।

पाठ - 6 : सिस्टम सिक्योरिटी तथा साइबर अपराध

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. Vital Information Report Under Seize
2. Login तथा Password सार्वजनिक करना

ख. रिक्त स्थान भरिये -

1. किसी भी कंप्यूटर की सिक्योरिटी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है।
2. एक प्रोग्राम जिसके पास कंप्यूटर को खराब करने की क्षमता मौजूद होती है वायरस कहलाता है।
3. सुरक्षा घेरे को तोड़कर संसाधनों को बिना अनुमति के एक्सेस करना साइबर अपराध या साइबर क्राइम कहलाता है।

ग. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. सिस्टम सिक्योरिटी के तीन लक्ष्य होते हैं- इंटीग्रिटी, सेक्रेसी और अवेलेबिलिटी ।
2. थ्रेट को दो भागों में बाँटा गया है:

   1. प्रोग्राम थ्रेट: क्रैकर के द्वारा लिखा गया ऐसा प्रोग्राम जो सिक्योरिटी को हैक कर सकता है और सामान्य प्रक्रिया के व्यवहार को बदल सकता है।

   2. सिस्टम थ्रेट : यह थ्रेट सिस्टम की सर्विस को निशाना बनाते हैं। यह ऐसी परिस्थिति पैदा कर देते हैं जहाँ ऑपरेटिंग सिस्टम के संसाधन और यूजर के फाइलों का गलत प्रयोग किया जाता

है। इन्हें प्रोग्राम थ्रेट के लिए माध्यम भी बनाया जाता है।

3. ऐसा कार्य जो गैरकानूनी है तथा जिसमें सूचना तकनीकी या कंप्यूटर का उपयोग किया जाता है। आधुनिक युग में बहुत से गैरकानूनी काम या अपराध करने के लिए कंप्यूटर का प्रयोग किया जाता है। जैसे चोरी, धोखाधड़ी, जालसाजी आदि। सूचना तकनीकी प्रगति ने अपराधिक गतिविधियों के लिए नई संभावनाएँ भी बनाई हैं। इन प्रकार के अपराधों से निपटने के लिए साइबर लॉ बनाया गया है।

पाठ - 7 : मल्टीमीडिया

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. सभी का
2. .doc
3. एडोब फोटोशॉप
4. adobe photoshop

ख. रिक्त स्थान भरिये -

1. कंप्यूटर के क्षेत्र में मल्टीमीडिया एक लोकप्रिय टेक्नोलॉजी बन गई है।
2. मल्टीमीडिया के विभिन्न कंपोनेंट, टेक्स्ट, ऑडियो, ग्राफिक, वीडियो और एनिमेशन हैं।
3. ऑडियो फाइलों को चलाने के लिए उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर हैं: quick time, real time, windows media player, Itunes desktop app और VLC Media Player।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. सही
4. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. मल्टीमीडिया शब्द 2 शब्दों मल्टी तथा मीडिया से मिलकर बना है। मल्टी शब्द का अर्थ है- अनेक और मीडिया का अर्थ है एक तरीका जिससे हम विचारों या सूचना को एक-दूसरे को प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार मल्टीमीडिया दो या दो से अधिक मीडिया का संग्रह है जिसके द्वारा हम विचारों का आदान-प्रदान या सूचना का प्रदर्शन करते हैं।
2. ऐसा कंप्यूटर सिस्टम जिसमें मल्टीमीडिया सूचना के निर्माण, स्टोरेज, प्रदर्शन, परिवर्तन अथवा एक्सेस के उद्देश्य को दो अथवा अधिक प्रकार के माध्यमों; जैसे टैक्स्ट, ग्राफिक, साउंड

एवं वीडियो को एकीकृत करने की क्षमता होती है, उसे मल्टीमीडिया कंप्यूटर सिस्टम कहा जाता है।

3. एक मल्टीमीडिया फाइल अपने कंप्यूटर पर कोई भी फाइल हो सकती है, जो ऑडियो और वीडियो या केवल ऑडियो या वीडियो प्ले करती है।

4. यह आभासी आमने-सामने वार्तालाप बनाने के लिए ऑडियो और वीडियो को मिश्रित करता है जहाँ आप दूसरों के भाव देख सकते हैं की वे क्या कह रहे हैं - चाहे वे लैपटॉप, मोबाइल डिवाइस, या कॉन्फ्रेंस रूम, मीटिंग वेबकैम का उपयोग कर रहे हों।

पाठ - 8 : माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एम० एस० वर्ड

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. रिबन
2. हैडर एंड फुटर
3. CTRL+J
4. document

ख.. रिक्त स्थान भरिए -

1. टाइटल बार में 3 बटन होते हैं।
2. रिबन में किसी कार्य को करने के लिए आदेशों का एक पैनल होता है।
3. रिबन पर मेनू बार के बटन को टैब कहते हैं।
4. क्लिपबोर्ड किसी टेक्स्ट को कट, कॉपी और पेस्ट करने का विकल्प होता है।
5. कर्सर को पॉइंटर भी कहते हैं।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. सही
4. सही
5. गलत

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. एम एस ऑफिस के प्रमुख पाँच सॉफ्टवेयरों के नाम हैं: एक्सेल, वर्ड, पॉवरपॉइंट, आउटलुक और एक्सेस।
2. इंडेंटेशन का तात्पर्य पेज की बाउंड्री और टैक्स्ट के बीच के अंतर से है। इसके प्रयोग से टेक्स्ट और पेज बाउंड्री के बीच में चारों तरफ से गैप कम या ज्यादा कर सकते हैं।
3. इसमें स्पेलिंग और ग्रामर को चेक करने की सुविधा होती है।

यह ऑटोमेटिकली स्पेलिंग और ग्रामर की गलतियों को ढूँढता है तथा उसे सही भी करता है।

4. ऑफिस लोगो बटन की उपयोगिता यह है कि यह एक पैकेट है जो विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर का संगठन है। ये सॉफ्टवेयर किसी कार्यालय यह स्कूल आदि में विशेष रूप से प्रयोग किए जाते हैं।

5. टेक्स्ट एडिटिंग तथा टेक्स्ट फॉर्मेटिंग में निम्न प्रकार से अंतर है: टेक्स्ट एडिटिंग : टेक्स्ट एडिटिंग का तात्पर्य है टेक्स्ट को लिखना, लिखे हुए टेक्स्ट को एडिट करना, डिलीट करना आदि। टेक्स्ट फोर्मटिंग : एमएस वर्ड में किसी टेक्स्ट या शब्द को अनेक प्रकार की शब्द डिजाइन से मॉडिफाई कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार की स्टाइल का प्रयोग करके टेक्स्ट के प्रारुप को बदल सकते हैं। इसे ही फॉर्मेटिंग कहते हैं।

पाठ - 9 : माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. टाइटल बार
2. WRAP TEXT
3. फार्मूला बार
4. दोनों से

ख.. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

1. माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक पावरफुल स्प्रेडशीट प्रोग्राम है।
2. पंक्तियों को क्रम संख्या से पहचानते हैं तथा कॉलमों को A, B, C अक्षर से पहचाना जाता है।
3. कट या कॉपी किया हुआ डाटा क्लिपबोर्ड में स्टोर रहता है।
4. SEQUENCE का प्रयोग कार्यक्रम को परिभाषित करने के लिए किया जाता है।
5. कॉलमों तथा पंक्तियों के प्रतिच्छेद से सेल बनते हैं।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. गलत
4. सही
5. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक पावरफुल स्प्रेडशीट प्रोग्राम है जो आपके डाटा को व्यवस्थित करने, कैलकुलेशन पूरी करने, निर्णय लेने तक पहुँचने, ग्राफ, डाटा प्रोफेशनल दिखाने वाली रिपोर्ट

तैयार करने, व्यवस्थित डांटा को वेब पर पब्लिश करने तथा रियल टाइम डाटा को एक्सेस करने की सुविधा देता है।

2. एलाइनमेंट का प्रयोग किसी सेल में टेक्स्ट के एलाइनमेंट को बदलने के लिए करते हैं। इसमें दो प्रकार के एलाइनमेंट होते हैं। ऊध्वार्धर एलाइनमेंट और क्षैतिज एलाइनमेंट।

3. एम०एस० एक्सल में किसी वर्कशीट के डाटा के ग्राफिकल एवं पिक्टोरियल प्रेजेंटेशन के लिए चार्ट का प्रयोग किया जाता है। इसके कई तत्व हैं जिनमें से 3 का संक्षेप में वर्णन निम्न है:

1. चार्ट एरिया : किसी चार्ट को बनाने में प्रयोग किया गया कुलश्रेष्ठ चार्ट एरिया होता है। चार्ट एरिया से चार्ट को घेरने के लिए एक आयताकार बॉक्स का प्रयोग करते हैं, इस आयत का बॉक्स का एरिया, चार्ट एरिया कहलाता है।

2. प्लाट एरिया : वह क्षेत्रफल जिसमें डेटा को चार्ट के रूप में प्रदर्शित करते हैं, प्लॉट एरिया कहलाता है।

3. डाटा सारणी : यह एक साधारण सारणी होती है जिसमें सभी डाटा श्रेणियों के मान दिखाए जाते हैं।

पाठ - 10 : इलेक्ट्रॉनिक मेल

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. इलेक्ट्रॉनिक मेल
2. ई-मेल एड्रेस
3. Sign In
4. दोनों सही

ख.. रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए :

1. इंटरनेट एक ऐसा विश्वव्यापी नेटवर्क है जिससे हम वर्ल्ड वाइड वेब भी कहते हैं।
2. ई-मेल के माध्यम से इंटरनेट से जुड़ी किसी भी व्यक्ति से बातचीत संभव है।
3. प्रत्येक वेबसाइट का एक वेब एड्रेस होता है, जिसे URL कहते हैं।
4. इलेक्ट्रॉनिक मेल एक इंटरनेट द्वारा प्रदान की गई अत्यधिक लोकप्रिय तथा व्यवसायिक सेवा है।

ग. सही अथवा गलत लिखो -

1. गलत
2. गलत
3. गलत
4. सही

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. ई-मेल एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक संदेश होता है जो किसी नेटवर्क से जुड़े विभिन्न कंप्यूटरों के बीच भेजा और प्राप्त किया जाता है। ईमेल का उपयोग व्यक्तियों या व्यक्तियों के बीच, जो भौगोलिक रूप से हजारों मील दूर भी हो सकते हैं, लिखित संदेश भेजने के काम आता है। इसके कई लाभ हैं जैसे:

   - ई-मेल कुछ ही सेकंड में रिसीवर के पास पहुँच जाती है।
   - ईमेल, डाक या कोरियर और टेलीफोन आदि की तुलना से बहुत ही सस्ती सुविधा है।
   - आप अपने कंप्यूटर में ईमेल का स्थाई रिकॉर्ड भी रख सकते हैं।

2. गूगल पर ईमेल बनाने के चरण:

   चरण 1 : Google खाता निर्माण पृष्ठ, account.google. com पर जाएँ।

   चरण 2 : क्रिएट अकाउंट पर क्लिक करें।

   चरण 3 : फॉर्म पूरा भरके submit पर क्लिक करें।

   चरण 4. : आपका ईमेल अकाउंट बनने के बाद आप को सूचना दे दी जाएगी।

   कुछ ईमेल पोर्टल हैं:

   1. http://www.gmail.com
   2. http://www.mail-yahoo.com
   3. http://www.hotmail.com
   4. http://www.rediffmail.com

3. अपने मित्रों और सम्बन्धियों को ईमेल भेजने के लिए आपको पहले अपने ईमेल खाते में लॉगिन करना होगा। ऐसा करके compose बटन को क्लिक कीजिए। इससे नया संदेश बनवाने के लिए डायलॉग बॉक्स खुल जाएगा। मैसेज बॉक्स में अपना मैसेज या संदेश लिखकर जब आप SEND बटन पर क्लिक करते हैं तो आपकी ईमेल तत्काल भेज दी जाती है।

पाठ - 11 : ई-कॉमर्स

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. एक वेबसाइट की
2. (iv) (i) और (iii) की
3. इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सिस्टम
4. ये सभी

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

1. ग्राहक
2. ई–कॉमर्स
3. क्रेडिट काड
4. Electronic fund transfer system
5. क्रय–विक्रय

ग. सही अथवा गलत लिखाो –

1. सही
2. गलत
3. सही
4. गलत

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखाो –

1. ई–कॉमर्स वह एप्लीकेशन है जिसके द्वारा व्यापार संबंधी सभी गतिविधियाँ, जैसे वस्तुएँ पसंद करना, उनका ऑर्डर करना, मूल्य चुकाना, वस्तुओं का विज्ञापन एवं उनकी मार्केटिंग, मोल–भाव आदि कार्य इंटरनेट के माध्यम से घर पर बैठकर ही संपन्न किए जा सकते हैं। इसके द्वारा क्रय एवं विक्रय संबंधी सभी कार्य इंटरनेट की विभिन्न वेबसाइटों से किए जाते हैं।

   ई–शॉपिंग या ई–खरीदारी भी ई–कॉमर्स में ग्राहक एवं विक्रेता दोनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

2. ई–कॉमर्स में उपभोक्ता के लिए ध्यान रखने योग्य बातें–

   1. ग्राहक को खरीदारी करने से पहले देख लेना चाहिए कि वह प्रतिष्ठित वेबसाइट है या नहीं, जिससे उसके साथ धोखा न हो जाए।

   2. वस्तुओं की जानकारी, जैसे उसका आकार, रंग, मूल्य, अवस्था आदि के बारे में भली प्रकार पढ़ना चाहिए।

   3. वस्तु का ऑर्डर करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वह निश्चित समय में पहुँच जाएगी या नहीं।

   4. यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि खो जाने या पसंद न आने पर वह वस्तु वापस हो जाएगी या नहीं एवं आपकी धनराशि आपको पूरी सुरक्षित मिल जाएगी या नहीं।

   5. ग्राहक को यह देख लेना चाहिए कि कंपनी की उपभोक्ता सेवा कैसी है।

   6. ग्राहक एवं विक्रेता का व्यापार क्रय–विक्रय नियमों के अंतर्गत ही होना चाहिए।

3. एक अच्छी ई–कामर्स वेबसाइट में कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

   1. वेबसाइट को सरलता से देखा एवं समझा जा सकता हो

अर्थात वह यूजर फ्रेंडली हो।

2. वेबसाइट पर उपलब्ध वस्तुओं को अच्छी तरह से वर्गीकृत करना चाहिए।

3. वेबसाइट पर सर्च विंडो होनी चाहिए जिससे ग्राहक किसी भी वस्तु, वर्ग एवं मूल्य आदि को ढूँढ सके।

4. वेबसाइट पर जानकारियों को रोचक एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

5. ग्राहक या उपभोक्ता को गोपनीय जानकारी, जैसे- क्रेडिट कार्ड पूर्णतया सुरक्षित होना चाहिए।

6. कंपनी की जानकारी इस प्रकार से होनी चाहिए कि ग्राहक उसे समझ सके एवं उस पर भरोसा कर सके।

4. किसी सार्वजनिक व्यापारिक केंद्र या विशेष क्षेत्र के लिए इंटरनेट पर बनी एक वेबसाइट बिजनेस हब कहलाती है। इस वेबसाइट पर उस क्षेत्र के व्यापार की सभी संभावित जानकारियाँ एवं उपयोगी लिंक होते हैं। बिजनेस हब में किसी विशेष क्षेत्र के प्रमुख व्यवसायियों के लिंक होते हैं। व्यापार संबंधी समाचार, सहायता, सूचनाएँ, ट्रेनिंग लिंक आदि सभी होते हैं। बिजनेस हब के द्वारा एक व्यवसायी कंपनी अपने ग्राहक या अन्य स्थानों पर बैठे पार्टनर को खोज सकती है। उपभोक्ता कोई वस्तु खोज सकता है।

5. बिजनेस हब के लाभ - बिजनेस हब के द्वारा किसी विशेष क्षेत्र निर्मात्री कंपनी, मार्कटिंग कंपनी, व्यवसायी, विक्रेता, उपभोक्ता एवं उससे जुड़े व्यक्ति एक-दूसरे की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, एक-दूसरे से संपर्क स्थापित कर सकते हैं तथा एक-दूसरे से व्यापार कर सकते है जिनसे वह अपना व्यापार बढ़ा सकते हैं।

पाठ - 1 : GUI आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम का परिचय

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. ऑपरेटिंग सिस्टम
2. विंडोज़
3. विंडोज़ 98
4. CUI

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. सही
4. गलत

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. सिंगल यूजर मल्टी-टास्किंग ऑपरेटिंग सिस्टम में नेटवर्क सिस्टम का प्रयोग किया जाता है।
2. लाइनक्स के तीन भाग Kernel, Shell तथा File system हैं।
3. की-बोर्ड पर Windows Key को दबाने पर स्टार्ट मेन्यू का प्रदर्शन होता है।
4. सिस्टम फाइल्स को यूजर द्वारा नहीं बनाया जा सकता।
5. मेन्यू बार में विभिन्न कमान्ड्स ग्रुप्स के रूप में दो होती हैं।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. वे सॉफ्टवेयर्स, जिनकी सहायता से कंप्यूटर कार्य कर सकने की स्थिति में आता है, ऑपरेटिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर्स कहलाते हैं।

   ऑपरेटिंग सिस्टम के कार्य

   ऑपरेटिंग सिस्टम के कार्य निम्नलिखित हैं:

   1. यह किसी कंप्यूटर सिस्टम के सभी संसाधनों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होता है।

   2. कंप्यूटर सिस्टम चलाने के लिए दिए गए सभी कमाण्ड्स (आदेशों) को यह प्रोसेस करता है।

   3. यह कई सारे प्रोग्राम के निष्पादन को नियंत्रित करता है।

   4. यह प्रोग्राम एप्लीकेशन, डाटा मैनेजमेंट, रिसोर्स एप्लीकेशन तथा इनपुट-आउटपुट ऑपरेशन्स से संबंधित कार्य करता है।

2. यूजर इंटरफेस प्रत्येक ऑपरेटिंग सिस्टम का एक महत्वपूर्ण भाग होता है। यूटर इंटरफेस कंप्यूटर और यूजर के मध्य सेतु का कार्य करता है। यूजर इंटरफेस का प्रयोग प्रोग्राम्स और डिवाइसेज को कनेक्ट करने के लिए किया जाता हे। यूजर इंटरफेस दो प्रकार के होते हैं-

1. कैरेक्टर यूजर इंटरफेस तथा

2. ग्राफिकल यूजर इंटरफेस।

3. माउस की प्रोपर्टीज को बदलना :

1. माउस की प्रोपर्टीज को बदलने के लिए कंट्रोल पैनल विंडो को Printer and Other Hardware श्रेणी को Select करने पर मॉनीटर स्क्रीन पर Printer and Other Hardware विंडो का प्रदर्शन होता है।

2. इस प्रदर्शन में भी विकल्प Tasks और Icons के रूप में दिए होते हैं।

3. इसके दाएँ भाग में Pick a Control Panel Icon के अंतर्गत दिए गए आइकन Mouse का प्रयोग कंप्यूटर से संबद्ध माउस संबंधी निर्धारण करने के लिए किया जाता है।

4. इस आइकन पर क्लिक करने से मॉनीटर स्क्रीन पर Mouse Properties डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता है।

5. इस डायलॉग बॉक्स में 5 टैब्स - Buttons, Pointers, Pointer Options, Wheel और Hardware होते हैं।

4. फाइलों के प्रकार :

कंप्यूटर में डाटा को स्थायी रूप से लंबे समय के लिए स्टोर करने हेतु फाइलों का प्रयोग किया जाता है।

फाइलें सूचनाओं; जैसे - text, images, video आदि को अनेक प्रकार के फॉरमेट्स में स्टोर करती हैं।

प्रयोग के आधार पर फाइलों को निम्न प्रकारों में विभाजित किया जाता है -

1. साधारण फाइल्स

इस प्रकार की फाइल्स वे होती हैं, जिन्हें यूजर द्वारा किसी एप्लीकेशन में क्रिएट किया जाता है; जैसे माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में क्रिएट की गई .doc फाइल आदि।

2. डायरेक्ट्री फाइल्स

फाइल्स को किसी विशेष डायरेक्ट्री अथवा फोल्डर में स्टोर किया जाता है। उदाहरण के लिए Song नाम के फोल्डर में ऐसी फाइल्स होनी चाहिए, जिसमें अनेक गीत स्टोर किए गए हैं।

3. सिस्टम फाइल्स

इन फाइल्स को User द्वारा क्रिएट नहीं किया जाता है।

ये वे फाइल्स होती हैं जो सिस्टम को Run करने के लिए

आवश्यक होती हैं। सामान्यत: ये Window फोल्डर में स्थित होती हैं।

4. प्रोग्राम फाइल्स

सिस्टम में विंडोज के वातावरण में कार्य करने वाले विभिन्न एप्लीकेशन्स को जब इंस्टॉल किया जाता है, तो ये फाइल्स एप्लीकेशन्स को रन करने के लिए आवश्यक होती हैं। सामान्यत: ये Program Files फोल्डर में स्थित होती हैं।

ङ. निम्न को परिभाषित कीजिये –

1. आइकन :

आइकन्स एक ग्राफिक ऑब्जेक्ट अर्थात् एक पिक्चर होता है, जो किसी फाइल, फोल्डर, शॉर्टकट, डिस्क ड्राइव को अथवा विंडोज़ एलीमेंट को दर्शाता है।

आइकन विभिन्न प्रकार के होते हैं; जैसे – सिस्टम आइकन, एप्लीकेशन आइकन, शॉर्टकट आइकन तथा डॉक्यूमेंट आइकन।

2. टास्क बार :

विंडोज के डेस्कटॉप पर नीचे की ओर दी गई पट्टी, जिस पर कुछ बटन्स / आइकन्स प्रदर्शित होते हैं, टास्कबार कहलाती है। टास्कबार पर सबसे बाईं ओर एक बटन Start होता है।

संभवत: टास्कबार विंडोज का अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है, क्योंकि इसका प्रयोग प्रोग्राम को लॉन्च करने और चल रहे प्रोग्राम्स के मध्य विचरण करने के लिए किया जाता है।

3. टूल बार :

विंडो में मेन्यू बार के नीचे अनेक आइकन्स, बटन्स रूप में एक पट्टी पर प्रदर्शित होते हैं। बटन्स की यह पट्टी ही टूल बार कहलाती है।

विंडो के साथ सामान्यत: व्यवहार में आने वाली कमांड्स टूल बार पर टूल बटन्स के रूप में प्रदर्शित होते हैं।

4. टाइटिल बार :

प्रत्येक विंडो की एक टाइटिल बार होती है।

इस पर ही विंडो का शीर्षक प्रदर्शित होता है तथा इस शीर्षक के बाईं ओर इस विंडो से संबंधित आइकन प्रदर्शित होते हैं जिसे मेन्यू आइकन कहते हैं।

टाइटिल बार में Restore, Move, Size, Minimize तथा Maximize ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है।

पाठ - 2 : एलगोरिदम तथा फ्लोचार्ट

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. किसी समस्या को हल करने के लिए चरणों का चरणबद्ध समूह
2. टर्मिनल बॉक्स
3. फ्लोचार्ट

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. गलत
4. गलत
5. सही

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. एलगोरिदम किसी रेसिपी की भाँति होता है।
2. एलगोरिदम के ग्राफिकल निरूपण को फ्लोचार्ट कहते हैं।
3. किसी प्रकार की कैलकुलेशन दिखाने के लिए प्रक्रिया बॉक्स होता है।
4. फ्लो लाइन फ्लोचार्ट में डाटा के फ्लो को बताता है।
5. दो फ्लोचार्ट को जोड़ने का कार्य कनेक्टर करते हैं।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. जिस प्रकार किसी पकवान को बनाने के लिए आपको उसकी विधि जाननी होती है उसी प्रकार किसी भी समस्या का हल करने के लिए कुछ चरण होते हैं। उन्हीं चरणों के क्रमबद्ध समूह को हम एलगोरिदम कहते हैं।
2. 1. टर्मिनल (Terminal) : फ्लोचार्ट (Flowchart) शुरू और बंद करने के लिए।

   2. इनपुट / आउटपुट (Input/Output) : फ्लोचार्ट (Flowchart) में इनपुट / आउटपुट (Input/Output) या परिणाम शो करने के लिए।
3. फ्लोचार्ट किसी भी एलगोरिदम का ग्राफिकल निरूपण होता है। इमसें कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। प्रत्येक चिह्न का विशिष्ट कार्य होता है। जैसे -

   ◇ इसे **डिसीजन बॉक्स** या निर्णय बॉक्स कहते हैं। डिसीजन बॉक्स का प्रयोग फ्लोचार्ट में शर्त, प्रश्न और निर्णय दर्शाने के लिए करते हैं।

   ○ **कनेक्टर** का प्रयोग फ्लोचार्ट के टुकड़ों को जोड़ने के लिए करते हैं।

4. फ्लोचार्ट के फायदे :

फ्लोचार्ट संवाद के लिए अत्यंत सरल होता है।

प्रोग्राम को समझना आसान हो जाता है।

डाटा कहाँ फ्लो करता है, यह दर्शाता है।

ये किसी भी नए सिस्टम को डिजाइन करने के लिए बेस्ट टूल है।

फ्लोचार्ट के नुकसान :

यह अत्यधिक समय खर्चीला है।

लंबा फ्लोचार्ट बनाना थोड़ा मुश्किल होता है।

ङ निम्न का मिलान कीजिए -

	कार्य	प्रयोग
1.	a, b, c का जोड़ ज्ञात करो	प्रोसेस बॉक्स
2.	जोड़ प्रिंट करो	आउटपुट बॉक्स
3.	ज्ञात करो कि एक संख्या दूसरी से बड़ी है अथवा नहीं	निर्णय बॉक्स
4.	तीन संख्याओं को पढ़ना	इनपुट बॉक्स

पाठ - 3 : संचार : प्रकार और माध्यम

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. उपर्युक्त सभी
2. वैद्युत चुम्बकीय बल
3. मौखिक
4. व्यावर्तित युग्म
5. एक ही दिशा में संभव है
6. डाटा संचरण दोनों दिशाओं में होता है
7. फुल ड्यूपलैक्स संचरण

ख.. रिक्त स्थान भरिए -

1. पूर्व समय में सूचनाओं के संचार के लिए या तो व्यक्तिगत रूप में मिला जाता था या पत्र भेजा जाता था।
2. संचार प्रणाली में संचार का माध्यम धातु का तार होता है।
3. ई-मेल का पूरा नाम इलेक्ट्रोनिक मेल है।
4. चैट का प्रयोग मैसेज द्वारा किया जाता है।
5. व्यावर्तित युग्म में धात्विक पतले, ताँबे तारों के रेशे के दो तार होते हैं।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. संचार के घटक :

   मैसेज (Message)

   प्रेषक (Sender)

   माध्यम (Medium)

   प्राप्तकर्ता (Receiver)

   प्रोटोकॉल (Protocol)

2. कंप्यूटर द्वारा चैट : इस प्रणाली द्वारा हम अपने विचारों, सूचनाओं अथवा आँकड़ों को मौखिक रूप से व्यक्त कर सकते तथा प्राप्त कर सकते हैं। चैट का अर्थ है – बातचीत या गपशप । इसका प्रयोग सामान्यतया कंप्यूटर से बातचीत करने में ही किया जाता है। कंप्यूटर द्वारा चैट करने की यह प्रणाली इंटरनेट पर ही आधारित है। इसके माध्यम से टेलीफोन सुविधा का ही उपयोग होता है।

3. तार द्वारा संचार में हम निम्न प्रकार के तार माध्यमों का प्रयोग करते हैं –

   1. व्यावर्तित युग्म (Twisted Pair) यह सस्ता संचार माध्यम है। यह परस्पर लिपटे तारों का युग्म होता है, जिसमें दोनो तार (धात्विक पतले तारों के रेशों) ताँबे से बने होते हैं।

   संचार माध्यम की यह तकनीक बहुत पहले से प्रयुक्त की जा रही है। यह माध्यम का प्रयोग टेलीफोन लाइन में अधिक किया जाता है। कंप्यूटर से टेलीफोन लाइन का संयोजन करने के लिए मॉडेम में इसी प्रकार का तार प्रयोग किया जाता है।

   2. समाक्ष तार (Co-axial Cable) इस माध्यम में एक धात्विक नली के केंद्र में ताँबे का तार स्थित होता है और इन दोनों के मध्य एक कुचालक पदार्थ की परत होती है।

   व्यावर्तित तार का प्रयोग करने पर कभी-कभी संचार के समय व्यवधान अथवा दोहरी आवाज टेलीफोन पर बात करते समय सुनाई देती है। इस समस्या के समाधान के लिए समाक्ष तार का विकास किया गया। इसका प्रयोग ऐसे क्रियाशील संचरण में किया जाता है, जिसमें व्यवधान से संचार अधिक प्रभावित हो सकता है। जैसे-टेलीफोन के केबिल कनेक्शन में इसका प्रयोग किया जाता है।

   3. प्रकाशित तन्तु (Optical Fibre) यह संचार माध्यम की एक आधुनिक तकनीक है। यह केबिल काँच के हजारों पतले रेशों से बनी होती है, जिनमें प्रकाश का संवहन हो सकता है। इसमें

प्रत्येक काँच का रेशा एक बाल के समान बारीक होता है। इसमें संचरण के लिए डाटा को प्रकाश पुंज में परिणत किया जाता है और डाटा के इस प्रकाश पुंज को एक लेजर डिवाइस द्वारा करोड़ों बिट्स प्रति सेकंड की गति से प्रषित किया जाता है।

4. संचार की अवस्थाएँ : संचार माध्यम को डाटा-संचरण की दिशा के आधार पर भी वर्गीकृत किया जा सकता है। यह वर्गीकरण सिम्लैक्स (Simplex) हाफ-ड्यूपलैक्स (Half Duplex) तथा फुल ड्यूपलैक्स (Full Duplex) के नाम से जाना जाता है।

1. सिम्पलैक्स : सिम्पलैक्स संचार अवस्था में, संचार का संचरण केवल एक ही दिशा में संभव है। टेलीविजन संचरण सिम्पलैक्स संचार का एक अच्छा उदाहरण है। प्रमुख ट्रांसमीटर संकेतों को प्रसारित करता है, किन्तु यह प्राप्तकर्ता से कोई प्रत्युतर नहीं -माँगता है।

सिम्पलैक्स अवस्था का एक अन्य उदाहरण की-बोर्ड के माध्यम से कंप्यूटर पर डाटा प्रविष्ट करना है।

अत: इसके लिए केवल एक ही संपर्क लाइन आवश्यक होती है। हालांकि सिम्पलैक्स संचरण सस्ती है, किंतु यह कंप्यूटर आधारित संचार के लिए भी अनुपयुक्त है। कंप्यूटर आधारित संचार के लिए द्विमार्गी संचार अधिक प्रभावशाली है। यह अवस्था प्रिंटर के लिए भी उपयुक्त है; जहाँ डाटा केवल एक ही दिशा में संचरित होता है।

2. हाफ ड्यूपलैक्स : हाफ ड्यूपलैक्स अवस्था में, दोनों प्रभाग एक माध्यम द्वारा संचार करते हैं; किंतु एक समय में केवल एक ही प्रभाग संदेश भेज सकता है। यदि एक प्रभाग संदेश भेजने की अवस्था में है, तो दूसरा प्रभाग संदेश प्राप्त करने की अवस्था में होता है। यह एक प्रकार से दो व्यक्तियों के मध्य वार्ता करने के समान है। अत: हाफ ड्यूपलैक्स मोड में डाटा का संचरण एकान्तरत: रूप में किया जाता है। इसके लिए दो तारें आवश्यक हैं। यह वार्ता संचार के लिए सर्वमान्य संचरण अवस्था है; क्योंकि एक समय में केवल एक ही व्यक्ति बोल सकता है। इसके लिए कंप्यूटर में एक टर्मिनल भी संलग्न रहना आवश्यक है। हाफ ड्यूपलैक्स अवस्था में डाटा का संचरण हार्ड डिस्क से निरन्तर होता रहता है।

3. फुल ड्यूपलैक्स : फुल ड्यूपलैक्स अवस्था में संचरण एक ही समय में दोनों दिशाओं में होता है। फुल ड्यूपलैक्स संपर्क क्षमता को बहुत अधिक बढ़ा देता है, क्योंकि इसमें कम समय

लगता है। इसके लिए चार तारों की आवश्यकता होती है।

5. मोबाइल फोन प्रणाली के माध्यम के रूप में विद्युत-चुम्बकीय तरंगों का प्रयोग होता है।

6. संचार दो प्रकार के होते हैं:

   1. मौखिक संचार 2. लिखित संचार

7. समाक्ष तार (Co-axial Cable) इस माध्यम में एक धात्विक नली के केंद्र में ताँबे का तार स्थित होता है और इन दोनों के मध्य एक कुचालक पदार्थ की परत होती है।

   व्यावर्तित तार का प्रयोग करने पर कभी-कभी संचार के समय व्यवधान अथवा दोहरी आवाज टेलीफोन पर बात करते समय सुनाई देती है। इस समस्या के समाधान के लिए समाक्ष तार का विकास किया गया। इसका प्रयोग ऐसे क्रियाशील संचरण में किया जाता है, जिसमें व्यवधान से संचार अधिक प्रभावित हो सकता है। जैसे-टेलीफोन के केबिल कनेक्शन में इसका प्रयोग किया जाता है।

8. संचार की प्रणालियाँ : संचार प्रणाली संदेश भेजने वाले प्रेषक (Sender) और संदेश प्राप्त करने वाले ग्राही (Receiver) के बीच एक माध्यम है। संचार में कोई भी संलग्न पथ जो प्रेषक उपकरण से प्रापक उपकरण तक सूचनाएँ ले जाता है, वह संचार का माध्यम है। प्रणाली का अर्थ भौतिक माध्यम जैसे-कोएक्सिअल केबल अथवा विशाल प्रणाली में निर्दिष्ट आवृति (Frequency) है। संचार माध्यम में डाटा को संचार-गति को बिट्स प्रति सेकंड में मापा जाता है।

   संचार की गति को तीन भागों में अथवा बैण्ड विड्थ में वर्गीकृत किया जा सकता है। संकेतों का आवृति बैण्ड (Frequency Band), डाटा संचार की गति के समान अनुपात में होता है।

9. मौखिक प्रकार का संचार।

10. लिखित संचार

    1. फैक्स : इसके द्वारा किसी भी लिखित सामग्री को देश-विदेश में प्रेषित कर सकते हैं। इसमें प्रेषण के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का ही प्रयोग किया जाता है। इसके द्वारा किसी भी प्रकार की लिखित सामग्री को बहुत कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाया जा सकता है। यदि लिखित सामग्री अधिक है, तो समय भी अधिक लगता है।

    2. पत्र : यह बहुत पुरानी एवं वर्तमान में भी अत्यधिक प्रचलित

प्रणाली है। वर्तमान में प्रचलित अन्य लिखित सामग्री की तुलना में इसकी गति बहुत धीमी है। जिसके कारण वर्तमान समय में इसका प्रचलन कुछ कम हुआ है। यह संचार का सबसे सस्ता माध्यम है।

3. ई-मेल : लिखित आँकड़ों तथा सूचनाओं को प्रेषित करने की यह नवीनतम प्रणाली है। इस प्रणाली के द्वारा हम आँकड़ों का प्रेषण इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से करते हैं, इसीलिए इसे ई-मेल (इलेक्ट्रॉनिक-मेल) कहा जाता है। ई-मेल की सुविधा भी हमें इंटरनेट के द्वारा ही प्राप्त होती है।

11. समाक्ष तार का व्यास 0.5 इंच से 1 इंच तक होता है।

घ. एक शब्द में उत्तर दीजिए -

1. वह जानकारी जिसका आदान-प्रदान किया जाता है। message
2. यह वह व्यक्ति होता है जो संदेश भेजता है। sender
3. संदेश भेजने के लिए जिन साधनों का प्रयोग किया जाता है वह माध्यम कहलाता है। medium
4. यह वह व्यक्ति होता है जो संदेश प्राप्त करता है। receiver
5. यह नियमों का एक समूह होता है जो डेटा कम्यूनिकेशन को कंट्रोल करता है। Protocol

पाठ - 4 : फोटोशॉप

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. धुँधला
2. डॉज टूल
3. पेंट बकेट का
4. पालिगनल टूल
5. जूम टूल

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. गलत
2. गलत
3. सही
4. गलत
5. सही

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. फोटोशॉप एक ग्राफिक एडिटिंग सॉफ्टवेयर है।
2. फोटोशॉप की सबसे नीचे की पट्टी को टास्कबार कहते हैं।
3. टूल बॉक्स में व्यवस्थित रहते हैं।
4. सैलेक्शन टूल चार प्रकार के होते हैं।

5. हीलिंग ब्रश टूल का प्रयोग इमेज को रिपेयर करने के लिये किया जाता है।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. फोटोशॉप को स्टार्ट करना :

   1. Start बटन पर क्लिक करें।
   2. All Programs को सलेक्ट करें।
   3. Adobe विकल्प का चयन करें।
   4. इसके बाद Adobe Photoshop पर क्लिक करें।

   फोटोशॉप स्क्रीन आपके सामने प्रदर्शित हो जाएगी।

2. फोटोशॉप की विशेषताएँ :

   1. फोटोशॉप में बनी फाइलों को आसानी से वेब पेज में डाला जा सकता है।

   2. फोटोशॉप के कार्य को Undo ऑप्शन के द्वारा हटाया भी जा सकता है।

   3. इसमें हिस्ट्री पेलेट की सुविधा दी गई है जिसमें पुरानी कार्य की सूची दिखाई जाती है। इस पैलेट के उपयोग से फोटो या इमेज को पुरानी स्थिति में ला सकते हैं।

   4. फोटोशॉप में इमेज को सेलेक्ट करने के लिए बहुत से टूल हैं जिनके द्वारा इमेज के अलग-अलग भाग को सिलेक्ट किया जा सकता है। इस सुविधा से फोटोशॉप में किसी भी फोटो पर काम बहुत आसानी से किया जा सकता है।

   5. फोटोशॉप में वांछित रंगों को सुधारने या बदलने का कार्य फोटोशॉप में बहुत तेजी से एवं आसानी से किया जा सकता है।

   6. फोटोशॉप में बहुत से इफेटिक टूल्स दिए होते हैं जिनकी मदद से फोटो में अलग-अलग इफेक्ट आसानी से डाले जा सकते हैं।

   7. फोटोशॉप के द्वारा किसी भी इमेज के आकार को आसानी से बदला जा सकता है तथा उस इमेज को रोटेट भी किया जा सकता है।

   8. फोटोशॉप में इमेज पर आसानी से कार्य करने के लिए लेयर का उपयोग किया जाता है। लेयर सुविधा के माध्यम से हम इमेज को अलग-अलग हिस्सों में बाँटकर उस पर कार्य कर सकते हैं।

   9. फोटोशॉप के द्वारा बनाई गई इमेज को अलग-अलग इमेज एक्सटेंशन में सेव किया जा सकता है; जैसे Bitmap, GIF,

JPG, PNG, PDF आदि।

3. फोटोशॉप का वर्क एरिया : फोटोशॉप में डिजिटल इमेज को खोलने तथा एडिट करने के लिए tools group, Menu command तथा Palletes के फंक्शन को मुख्यत: प्रयोग किया जाता है।
   1. टाइटल बार (Title Bar)
   2. मेन्यू बार (Menu Bar)
   3. ऑप्शन बार (Option Bar)
   4. टूल बॉक्स (Tool Bar)
   5. पैलेट्स (Palletes)
   6. टास्क बार (Task Bar)
4. क्रॉप टूल : इस टूल का प्रयोग इमेज के सिलेक्ट किए गए भाग को संपूर्ण इमेज के रूप में प्रयोग करने के लिए किया जाता है। इस टूल से जिस भाग को सिलेक्ट किया जाता है वह रह जाती है और शेष भाग मिट जाता है।
5. Pen Tool, Rectangle Tool, Polygon Tool, Line Tool.

पाठ - 5 : फोटोशॉप में लेयर्स का प्रयोग

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. पेपर
2. opacity slider का
3. layer का
4. स्क्रीन के निचले दाएँ कोने में

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. गलत
3. सही
4. सही
5. गलत

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. लेयर फोटोशॉप में एक आब्जेक्ट को छेड़े बिना दूसरे ऑब्जेक्ट पर कार्य करने के अनुमति देती है।
2. लेयर इमेज और ऑब्जेक्ट को व्यवस्थित करने की शक्तिशाली पद्धति है।
3. बिटमैप मोड या इन्डेक्स कलर इमेजिस पर फिल्टर लागू नहीं किए जा सकते हैं।
4. फिल्टर एक्टिव, व्यू लेयर या एक चयन पर लागू होते हैं।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. Adobe Photoshop में लेयर्स एक पारदर्शी पेपर की तरह होती है। लेयर फोटोशॉप में एक ऑब्जेक्ट को छेड़े बिना दूसरे ऑ. ब्जेक्ट पर कार्य करने की अनुमति प्रदान करती है। Layer एडोब फोटोशॉप में इमेज और ऑब्जेक्ट को व्यवस्थित करने की एक शक्तिशाली पद्धति है।

   फोटोशॉप में नई इमेज में केवल एक लेयर होती है। इमेज पर लेयर्स को जोड़ा जा सकता है, साथ ही लेयर्स इफेक्ट का प्रयोग भी किया जा सकता है। लेयर्स के क्रम में परिवर्तन भी किया जा सकता है। एक से अधिक लेयर्स का ग्रुप भी बनाया जा सकता है। साथ ही विभिन्न लेयर्स को मर्ज करके एक लेयर में परिवर्तित भी किया जा सकता है।

2. यदि आप एक नई खाली लेयर बनाना चाहते हैं, तो एक नई लेयर बनाने के लिए, लेयर पैनल के निचले दाएँ कोने के पास New Layer बटन पर क्लिक करें। लेयर्स पैनल में नई लेयर दिखाई देगी।

3. यदि आप कोई डुप्लीकेट लेयर बनाना चाहते हैं, मूल लेयर में फेरबदल किए बिना अलग-अलग सुधार की कोशिश का यह एक आसान तरीका है।

   1. लेयर को राइट क्लिक करें, फिर Duplicate layer विकल्प का चयन करें।

   2. एक डायलाग बॉक्स दिखाई देगा OK पर क्लिक करें। डुप्लिकेट लेयर दिखाई देगी।

4. आप किसी भी लेयर की पारदर्शिता को कम अथवा अधिक कर सकते हैं। पारदर्शिता बढ़ाने से आप उस लेयर के नीचे की लेयर के ऑब्जेक्ट्स को पूरा-पूरा देख पाते हैं। पारदर्शिता (opacity) बढ़ाने के लिए निम्न चरणों को कीजिए:

   1. लेयर का चयन करें।

   2. Opacity में opacity slider की मदद से मात्रा कम अथवा अधिक करें।

   3. अब आपको नीचे की लेयर्स का कंटेंट दिखाई देगा।

5. सबसे पहले Filter Menu पर क्लिक करें। इसके बाद Filter Gallery चुनें। Filter Category नाम पर क्लिक करने पर उपलब्ध प्रभावों के थबनेल प्रदर्शित होते हैं।

पाठ - 6 : फोटोशॉप में इमेजिस के साथ कार्य करना

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. Browse
2. None
3. Ctrl+S
4. किसी का नहीं

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही
3. सही
4. गलत

ग. रिक्त स्थान भरिए -

1. क्षतिग्रस्त फाइलों को खोलने के लिए Recover विकल्प का प्रयोग किया जाता है।
2. नई फाइल क्रिएट करने के लिए शॉर्टकट कीज है- Ctrl + N
3. कीबोर्ड पर Ctrl + N कुंजी को साथ दबाने से New dialog box प्रदर्शित होता है।
4. टाइप टूल आपको अपने डॉक्यूमेंट में टेक्स्ट जोड़ने की अनुमति देता है।
5. रास्टराइजिंग का अर्थ है टेक्स्ट को पिक्सल में परिवर्तित करना।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. किसी भी फाइल को ओपन करने के लिए निम्न तरीके हैं :

   1. File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है।

   2. File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है।

   3. File मेन्यू के Open As ऑप्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वह इमेज फाइल फोटोशॉप में ही बनाई गई हो।

2. यदि आप ड्रॉइंग को कोरल ड्रॉ (CDR) के अलावा किसी वैक्टर फाइल स्वरूप में सेव करना चाहते हैं, तो (save as) में सहेजें। सूची बॉक्स से फाइल स्वरूप को भी चुनें।

   तत्पश्चात Open As से अपनी फाइल का चुनाव करें

3. 1. New डायलॉग बॉक्स में Preset लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में से क्रिएट की जाने वाली इमेज के लिए फोटोशॉप में पूर्वनिर्धारित आकारों में से वांछित आकार को सिलेक्ट किया जा सकता है।

   2. New डायलॉग बॉक्स में Width टेक्स्ट बॉक्स में, Preset में आपने जो पेज का आकार चुना होगा उसके अनुसार इमेज की

चौड़ाई दिखाई देने लगेगी। यदि आप इसमें परिवर्तन करते हैं तो Preset के सामने दिये गये बॉक्स में Custom option प्रदर्शित होने लगता है।

3. इमेज की चौड़ाई को Set करने के लिए इसके आगे स्थित लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न इकाइयों की सूची में से वांछित इकाई को सिलेक्ट करके किया जाता है। इसी प्रकार New डायलॉग बॉक्स में Height टेक्स्ट बॉक्स में इमेज की वांछित Height और उसकी इकाई का निर्धारण किया जाता है।

4. Bitmap मोड को सिलेक्ट करने पर केवल सफेद एवं काले रंग का ही प्रयोग किया जा सकता है जबकि Grayscale मोड को सिलेक्ट करने पर सफेद एवं काले रंग के साथ-साथ इन दोनों रंगों के सम्मिश्रण का भी प्रयोग किया जा सकता है।

5. Sharpening के साथ सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए यहाँ कुछ युक्तियाँ दी गई हैं :

1. यदि आप Sharpen की मात्रा में वृद्धि करते हैं, तो आमतौर पर एक बिंदु दिखाई देता है जो Image के किनारों पर चमकना शुरू हो जाएगा, जो अलग दिखाई देगा। जब भी आप ऐसा देखते हैं, तो Sharpen को सही दिखने के लिए amount को कम करने की कोशिश करें।

2. यदि Sharpen अभी भी थोड़ा अप्राकृतिक दिखती है तो आप प्रभाव को और अधिक सूक्ष्म बनाने के लिए opacity को कम करने का प्रयास कर सकते हैं।

3. ध्यान रहे कि Sharpening एक ऐसी इमेज को ठीक नहीं कर सकता जो बहुत धुंधली या फोकस से बाहर हो।

4. फोटोशॉप में अन्य Sharpening फिल्टर भी शामिल हैं, जो Filter menu के अंतर्गत >Sharpen option में पाए जाते हैं।

पाठ - 7 : डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. फील्ड
2. रिकॉर्ड
3. बाह्य स्तर
4. डेटा का संग्रह

ख. सही अथवा गलत लिखो -

1. सही
2. सही

3. गलत 4. गलत

5. सही

ग. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. डेटाबेस से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: डेटाबेस का अर्थ है 'डेटा का संग्रह'। डेटाबेस वह स्थान है जहाँ पर किसी संस्थान, कार्यालय या व्यक्ति का ऐसा डेटा जो किसी न किसी प्रकार आपस में जुड़ा है, रखा जाता है।

2. DBMS के निम्नलिखित प्रमुख गुण हैं:

1. DBMS डेटा की अनावश्यक अधिकता को नियंत्रित करता है। कंप्यूटरीकृत DBMS सिस्टम में एक डेटा आइटम की केवल एक ही प्रति होती है।

2. DBMS डेटा परिवर्तन में होने वाली त्रुटियों को अगण्य करता है।

3. DBMS डेटाबेस में डेटा की पूर्णता या शुद्धता को सुनिश्चित करता है।

4. DBMS द्वारा डेटाबेस में एक जगह स्टोर किया गया एक डेटा आइटम एक ही समय में विभिन्न स्थानों पर बैठे, विभिन्न प्रयोगकर्ताओं द्वारा ऐक्सेस किया जा सकता है।

5. DBMS द्वारा ऐसी सुविधा प्रदान की जाती है जिससे एक डेटाबेस किसी अन्य डेटाबेस से डेटा का आयात या निर्यात कर सकता है।

6. DBMS डेटाबेस में संग्रहीत डेटा की सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित करता है। यह कार्य डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर (Database Administrator) द्वारा किया जाता है, जिसे संक्षेप DBA भी कहते हैं।

7. DBMS की सहायता से किसी संस्थान या कार्यालय के नियम एवं पॉलिसी को डेटाबेस पर लागू किया जा सकता है।

3. डेटाबेस का प्रतिपादन एवं निर्धारण तीन स्तर पर होता है:

1. आंतरिक स्तर (Internal Level)

2. वैचारिक स्तर (Conceptual Level)

3. बाहय स्तर (Eñternal Level)

1. आंतरिक स्तर : में यह निर्धारण किया जाता है कि डेटाबेस मैमोरी में कहाँ स्टोर होगा? किस प्रकार से ऐक्सेस किया जाएगा? उसका आकार क्या होगा? यह स्वर- कंप्यूटर हार्डवेयर के अत्यधिक निकट होता है।

2. वैचारिक स्तर : डेटाबेस का प्रारूप निर्धारण तथा डेटा एंट्री के लिए किए जाने वाले समस्त कार्य वैचारिक स्तर पर किये जाते हैं।

3. बाह्य स्तर : बाह्य स्तर प्रयोगकर्ता के सबसे निकट होता है। प्रयोगकर्ता को केवल स्तर पर प्रदर्शित डेटा से ही मतलब होता है। इस स्तर पर प्रयोगकर्ता को स्क्रीन पर दिखाए जाने वाले रिकॉर्ड एवं व्यू से ही कार्य होता है।

4. किसी डाटाबेस मैंनेजमेंट सिस्टम का कार्य डाटाबेस को बताने तथा संभालने के लिए किया जाता है।

5. DBMS दो मुख्य उद्देश्य हैं:

1. DBMS प्रयोगकर्ता को डेटा कुशलता एवं दक्षता से संग्रहीत एवं व्यवस्थित करने की सुविधा प्रदान करता है।

2. DBMS डेटा को शीघ्रता एवं सरलता से उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करता है।

6. वितरित डेटाबेस में संस्थान का डेटाबेस एक Server में स्टोर न होकर कई Server कंप्यूटरों पर विभक्त या वितरित रहता है। इंटरनेट में डेटाबेस अनेक सर्वर कंप्यूटरों पर विभक्त रहता है । वितरित डेटाबेस को कई प्रयोगकर्ताओं द्वारा एक साथ एक ही समय में ऐक्सेस किया जा सकता है।

7. केंद्रीय डेटाबेस (Centralized Database) :

केंद्रीय डेटाबेस में संस्थान, कार्यालयों या बैंकों आदि का डेटाबेस एक बड़े कंप्यूटर जैसे मेनफ्रेम कंप्यूटर या मिनी कंप्यूटर में स्टोर रहता है। उस संस्थान के कर्मचारी या उसकी विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी नेटवर्क की सहायता से उस कंप्यूटर में बने डेटाबेस को ऐक्सेस करते हैं अर्थात् केंद्रीय डेटाबेस में संपूर्ण डेटाबेस एक ही स्थान पर स्टोर रहता है। रेलवे का डेटाबेस उनके मुख्य कार्यालय में एक शक्तिशाली सर्वर पर रहता है, जिसे रेलवे आरक्षण के सभी कार्यालय नेटवर्क की सहायता से उस सर्वर से उस डेटाबेस का प्रयोग करते हैं।

8. कोष्ठ डेटा फाइल की सबसे छोटी इकाई है। इस कोष्ठ में डेटा आइटम (डेटा) को स्टोर किया जाता है। डेटा आइटम, का सबसे छोटा भाग है।

घ. परिभाषित कीजिए –

1. **क्वेरीज** – किसी टेबल या डेटाबेस से जरूरत के अनुसार डेटा निकालने की अनुमति दी जाती है, उसे क्वेरी कहते हैं। किसी क्वेरी के उत्तर में जो रिकॉर्ड डेटाबेस से निकाला जाता है उसे

उस क्वेरी का डायनासेट कहते हैं। जैसे कि अगर आप अपने शहर में रहने वाले दोस्तों की सूची निकालना चाहते हैं तो इसे एक क्वेरी कहेंगे।

2. **फॉर्मर्स** – यद्यपि आप टेबल्स में डेटा दर्ज और संशोधित कर सकते हैं, लेकिन टेबल्स में डेटा का भंडारण करना तथा संशोधन करना आसान नहीं होता है। इस समस्या को दूर करने के लिए, फॉर्म्स प्रस्तुत किए जाते हैं। टेबल्स की तरह फार्म में डेटा दर्ज करना पसंद करते हैं।

3. **रिपोर्ट्स** – आसान शब्दों में जब हम डेटाबेस से लाए गए रिकॉर्ड को कागज पर प्रिंट करना चाहते हैं तो उसे रिपोर्ट कहते हैं।

पाठ – 8 : ई-युग

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. username
2. ई-मेल भेजना
3. ASCX12

ख. सही अथवा गलत लिखो –

1. सही
2. सही
3. गलत
4. सही

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. ई-मेल और ई-कॉमर्स इंटरनेट का सर्वाधिक किया जाने वाला उपयोग है।
2. ई-कॉमर्स का पूर्ण रूप है- Electronic Commerce
3. Ebany तथा Amazon पहली ई-कॉमर्स साइट्स हैं।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. इंटरनेट की सबसे अधिक संख्या में उपयोग की जाने वाली सेवा इलैक्ट्रॉनिक मेल या संक्षेप में ई-मेल है।
2. (अ) ई-मेल आर्थिक दृष्टि से सूचनाओं के आदान-प्रदान और साझा करने का बहुत ही उपयोगी साधन है। यह संचार की अन्य विधियों; जैसे डाक, कोरियर, टेलीफोन आदि की तुलना में बहुत सस्ती विधि है।

   (ब) इलैक्ट्रॉनिक मेल, लगभग उसी समय पहुँचा दी जाती है, जब उसे भेजा जाता है। इससे अधिक तेज और कोई माध्यम नहीं है। ई-मेल पहुँचाने में भौगोलिक दूरियाँ कोई प्रभाव नहीं

डालती।

3. इसके निम्न चरण हैं:

1. अपने कंप्यूटर को इंटरनेट से जोड़ दीजिये।

2. साइट http%//www.rediffmail.com पर लॉग इन कीजिए। इससे इस साइट का होम पेज आपकी स्क्रीन पर खुल जाएगा।

3. अपना ई-मेल खाता खुलवाने के लिए New User & Sign Up लिंक को क्लिक कीजिए। इससे आपको एक रजिस्ट्रेशन फॉर्म दिया जाएगा। इसमें सभी कॉलम को भरा जाएगा।

4. फॉर्म पूरा भरकर Submit बटन को क्लिक कीजिए।

5. इससे यदि आपके द्वारा फॉर्म पूरा और सही भरा गया होगा और आपके द्वारा चुना गया यूजर नेम किसी और ने नहीं लिया होगा, तो आपका ई-मेल खाता खोल दिया जाएगा। वरना एक बार और मौका दिया जाएगा फॉर्म भरने का।

6. आपका ई-मेल खाता बनने के बाद आपको सूचना दे दी जाएगी।

4. अपने मित्रों और संबंधियों को ई-मेल भेजने के लिए आपको पहले अपने ई-मेल खाते में लॉग-इन करना पड़ता है। ऐसा करके Compose बटन पर क्लिक कीजिए, इससे नया संदेश बनाने के लिए डायलॉग बॉक्स खुल जाएगा। यह डायलॉग बॉक्स एक्सप्रैस के New Message डायलॉग बॉक्स या विंडो जैसा ही है। ई-मेल संदेश टाइप करने और भेजने की शेष प्रक्रिया भी उसी के समान है। जब आप Send बटन पर क्लिक करते हैं, तो आपकी ई-मेल तत्काल भेज दी जाती है।

पाठ - 9 : कोरल ड्रॉ

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

1. .cdr
2. ऑब्जैक्ट का चयन करने के लिए

ख. रिक्त स्थान भरिए -

1. कोरल ड्रा ग्राफिक डिजाइन के लिए एक उत्तम सॉफ्टवेयर है।
2. कोरल में कुछ भी बनाने के लिए हमें टूल्स की आवश्यकता होती है।
3. Skew टूल की सहायता से हम ऑब्जेक्ट को अलग-अलग दिशा में घुमा सकते हैं।

4. Eraser का प्रयोग किसी ऑब्जेक्ट के अतिरिक्त भाग को दूर करने के लिए किया जाता है।

ग. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. कोरल ड्रॉ एक डिजाइनिंग और प्रोफेशनल इमेज बनाने वाला सॉफ्टवेयर है। यह कार्टून, विजिटिंग कार्ड, इनविटेशन कार्ड, मैग्जीन्स विज्ञापन, डिजाइन, छोटे पोस्टर से लेकर बड़े पोस्टर, वेब साइट इत्यादि को डिजाइन बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। कोरल ड्रॉ में तैयार किये गए डिजाइन को आप चाहे कितना भी बड़ा कर सकते हैं। उसकी रेजोल्यूशन में और उसकी क्वालिटी में कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस तरह बिटमैप की तुलना में कोरल ड्रॉ एक स्मूथ पिक्चर बनाता है।
2. पिक टूल : कोरल ड्रॉ में पिक टूल का प्रयोग किसी भी ऑब्जेक्ट या टेक्स्ट को सिलेक्ट करके उसे मूव करने के लिए, ऑब्जेक्ट की साइज बदलने के लिए या उसे रोटेट करने के लिए किया जाता है।
3. स्मज ब्रश : इस टूल के प्रयोग से किसी भी ऑब्जेक्ट या टेक्स्ट का विस्तार कर सकते हैं या नष्ट कर सकते हैं। इस टूल के प्रयोग से शेप को बाहर की ओर विस्तार कर सकते हैं या तो फिर अंदर की ओर उसकी मात्रा कम भी कर सकते हैं।
4. रफन ब्रश टूल : इस टूल का प्रयोग वेक्टर शेप या टेक्स्ट की आउटलाइन या उसकी बाहर की ओर को रफ या डिस्टॉर्ट करने के लिए होता है। उसके अलावा जिगजैग जैसी इफैक्ट भी दे सकते हैं।

पाठ – 10 : इंटरनेट

क. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ –

1. इंटरनेट
2. क्लाईंट
3. प्रोटोकॉल

ख. सही अथवा गलत लिखो –

1. सही
2. सही
3. सही
4. गलत

ग. रिक्त स्थान भरिए –

1. इंटरनेट पर मौजूद सूचनाओं को हम सर्च इंजन पर देखते हैं।
2. VSNL का पूर्ण रूप Videsh Sanchar Nigam Limited है।

3. आप घर बैठे ही इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं।

4. अंजान ईमेल को तुरंत Spam list में डाल दें या Delete कर दें।

घ. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो –

1. इंटरनेट क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है जिसमें आपका कंप्यूटर या मोबाइल जो इंटरनेट पर मौजूद सूचनाओं का प्रयोग कर रहे हैं वो क्लाइंट (Client) कहलाते हैं और जहाँ यह सूचना सुरक्षित रखी होती है उन्हें हम सर्वर (Server) कहते हैं।

2. इंटरनेट के फायदे (Advantages of Internet)

ऑनलाइन बिल : इंटरनेट की मदद से आसानी से हम घर बैठे अपने सभी बिलों का भुगतान कर सकते हैं। इंटरनेट पर हम क्रेडिट कार्ड या कुछ ही मिनटों में बिजली, टेलीफोन नेट बैंकिंग की मदद डीटीएच या ऑनलाइन शॉपिंग के सभी बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

सूचना भेज और प्राप्त कर सकते हैं : भले ही आप विश्व के किसी भी कोने में बैठे हों, एक जगह से दूसरी जगह कई प्रकार की जानकारियाँ या सूचना कुछ ही सेकंड में भेज और प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट पर वॉइस कॉल, वॉइस मैसेज, ई-मेल, वीडियो कॉल भी कर सकते हैं और साथ ही कई प्रकार के अन्य फाइल भी भेज सकते हैं।

ऑनलाइन ऑफिस : कुछ ऐसी बड़ी कंपनियाँ हैं जो अपने कर्मचारियों के लिए घर बैठे इंटरनेट के माध्यम से काम करने की सुविधा देती हैं। कई ऐसी ऑनलाइन मार्केटिंग और कम्युनिकेशन से जुड़ी कंपनियाँ हैं जिसके कर्मचारी अपने घर पर ही लैपटॉप और मोबाइल फोन पर इंटरनेट के माध्यम से मार्केटिंग का काम करते हैं।

व्यापार को बढ़ावा : इंटरनेट के माध्यम से अगर आप चाहें तो अपने व्यापार को बहुत आगे ले जा सकते हैं। विश्व की सभी बड़ी कंपनियाँ अपने व्यापार को और आगे ले जाने के लिए इंटरनेट की मदद ले रहे हैं। विश्व की सभी कंपनियाँ ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, एफिलिएट मार्केटिंग और वेबसाइट की मदद से अपने व्यापार को इंटरनेट के माध्यम से पूरे विश्व भर में फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऑनलाइन नौकरी की जानकारी व आवेदन : इंटरनेट के माध्यम

से आप आसानी से घर बैठे जॉब पोर्टल वेबसाइट की मदद से किसी भी नौकरी के विषय में जान सकते हैं और उनके वेबसाइट पर जाकर नौकरी के लिए आवेदन भी कर सकते हैं।

3. फ्रीलांसिंग : इंटरनेट पर लोग वेबसाइट बनाकर, ऑनलाइन सर्वे, एफिलिएट मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, You Tube पर वीडियो अपलोड करके और कई अन्य तरीकों से घर बैठे पैसा कमा रहे हैं।

   मनोरंजन : खाली समय में हम इंटरनेट की मदद से गाना सुन सकते हैं, फिल्में और टेलीविजन देख सकते हैं। साथ ही हम ऑनलाइन अपने दोस्तों से सोशल मीडिया या सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट पर चैट भी कर सकते हैं।

4. स्वंय कीजिए।

5. इंटरनेट से हानियाँ –

   1. समय की बर्बादी : जो लोग इंटरनेट को अपने ऑफिस के काम के लिए और जानकारी लेने के लिए उपयोग करते हैं उनके लिए तो इंटरनेट बहुत लाभदायक होता है परन्तु जो लोग बिना किसी मतलब इसे अपनी आदत बना लेते हैं उनके लिए यह समय की बर्बादी के अलावा कुछ भी नहीं। हमें इंटरनेट को समय के अनुसार उपयोग करना चाहिए।

   2. इंटरनेट फ्री नहीं होता है। सभी इंटरनेट प्रदान करने वाली कंपनियाँ इंटरनेट का चार्ज लेती हैं।

   3. शोषण, अश्लीलता और हिंसक छवियाँ : इंटरनेट पर संचार की गति बहुत तेज है। इसलिए लोग अपने किसी दुश्मन या जिसको बदनाम करना चाहते हों उसके विषय में ऑनलाइन गलत प्रचार करके शोषण और अनुचित लाभ उठाते हैं। साथ ही इंटरनेट पर कई ऐसी वेबसाइट हैं जिन पर अश्लील चीजें हैं जिनके कारण कम उम्र के बच्चों को गलत शिक्षा मिल रही है।

   4. इंटरनेट के द्वारा पहचान की चोरी, हैकिंग, वायरस और धोखाधड़ी को भी काफी बढ़ावा मिला है।